वर्ष 23, अंक 239, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 23 सितम्बर 2024 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

'क्वाड कैंसर मूनशॉट' पहल के लिए भारत 7.5 मिलियन डॉलर का देगा योगदान

वाशिंगटन। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' विजन की भावना पर बल देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'क्वाड कैंसर मूनशॉट' पहल के लिए 7.5 मिलियन डॉलर के सैंपलिंग किट्स, डिटेक्शन किट्स और वैक्सीन्स में सहयोग करने की घोषणा की।

इस पहल की घोषणा शनिवार को डेलावेयर के विलमिंगटन में छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन के दौरान की गई और इसका उद्देश्य गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर से लड़कर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जीवन को बचाना है।

विलमिंगटन में कैंसर मूनशॉट कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, उन्हें खुशी है कि क्वाड में, "हमने संयुक्त रूप से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की चुनौती का सामना करने का फैसला किया है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, "मैं इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन के लिए राष्ट्रपति बाइडेन को हार्दिक बधाई देता हूं। यह सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के लिए हमारे साझा संकल्प को दशार्ता है।"

उन्होंने जोर देकर कहा, "कैंसर की देखभाल में इलाज के लिए सहयोग आवश्यक है। कैंसर के बोझ को कम करने के लिए रोकथाम, जांच, निदान और उपचार का एकीकृत नजरिया जरूरी है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर बहुत ही किफायती सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम चला रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत अपना अनुभव और विशेषज्ञता शेयर करने को तैयार है। भारत का विजन है वन अर्थ, वन हेल्थ। इसी भावना से, मैं क्वाट मूनशॉट पहल के तहत 7.5 मिलियन डॉलर के सैंपलिंग किट्स, डिटेक्शन किट्स और वैक्सीन्स का सहयोग देने की घोषणा करता हूं। रेडियोथेरेपी ट्रीटमेंट और कैपेसिटी बिल्डिंग में भी भारत सहयोग देगा।

उन्होंने कहा, "इसके अलावा, भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना चला रहा है।

पीएम मोदी के कंधे पर हाथ रख बोले बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी में क्वाड समिट आयोजित हो रहा है। इस शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी भी शामिल हुए। पीएम ने बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की, जिसमें रक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

क्वाड सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस बीच सभी नेताओं की मुलाकात के दौरान बाइडन ने एक प्रश्न का उत्तर दिया, जो चर्चा का विषय बन गया।

दरअसल, बाइडन के गृहनगर विलमिंगटन में एक तस्वीर के लिए पोज देते समय, अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या क्वाड नवंबर में चुनाव के बाद आगे जीवित रहेगा। बाइडन ने इसका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कंधे पर हाथ रखकर इशारा किया कि क्वाड को कौन आगे ले जाएगा।

जितना जोर लगाना है लगा लो, अमित शाह ने दिया तगड़ा चैलेंज

जम्मू-कश्मीर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र के वादों पर निधाना साधते हुए शाह ने कहा, 'आज जम्मू कश्मीर में हमारा तिरंगा शान से लहरा रहा है, लेकिन कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस वाले कहते हैं कि हम शेख अब्दुल्ला वाला ध्वज वापस लाना चाहते हैं। फारूक साहब, जितना जोर लगाना है लगा लो, लेकिन अब कश्मीर में सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा ही लहराएगा।'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। शाह ने यह भी कहा कि अगर उन्हें बात करनी है तो वह नौशेरा के 'शेरों' से बात करेंगे, पाकिस्तान से नहीं। इसके अलावा शाह ने यह भी कहा कि कश्मीर में अब सिर्फ तिरंगा लहराएगा। बता दें, भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा में चुनावी रैली आयोजित की गयी थी, जिसमें शाह शामिल हुए।

नौशेरा में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस, , नेशनल कॉन्फ्रेंस और ढउढ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जम्मू की पहाड़ियों में आतंकवाद के फिर से पनपने की बात कर रहे हैं, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह मोदी सरकार है और हम आतंकवाद को पाताल में दफना देंगे। किसी भी आतंकवादी या पत्थरबाज को रिहा नहीं किया जाएगा। भाजपा आपको भरोसा दिलाती है कि जम्मू-कश्मीर में कोई भी आतंकवादी खुला नहीं घूमेगा।

शाह ने आरक्षण के मुद्दे पर नेकां-कांग्रेस के नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने कहा, पहाड़ी भाई बहनों के आरक्षण का अधिकार कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और ढउढ ने 70 वर्षों तक छीन रखा था। पहाड़ियों को आरक्षण न देने का इनका फैसला था। मोदी जी ने कहा, कांग्रेस, ठउ और ढउढ को जो करना है, वो करे, हम पहाड़ियों को आरक्षण देंगे। अब पहाड़ियों को आरक्षण दिया गया, तो फारूक साहब ने यहां के गुर्जर भाइयों को उकसाना शुरू किया कि आपका आरक्षण चला जाएगा। मैंने राजौरी में वादा किया था कि गुर्जर बकरवाल का आरक्षण एक प्रतिशत भी कम नहीं होगा।

ED ने मेरे सारे पैसे ले लिए... मुझे बेटे की फीस के लिए हाथ फैलाना पड़ा...

नई दिल्ली: दिल्ली को नया मुख्यमंत्री मिलने के बाद रविवार यानी आज अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर में जनता की अदालत लगाई। उनके अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया भी मौजूद थे। सिसोदिया ने शराब नीति के दौरान अपने ऊपर हो रही जांच के बारे में बताते हुए कहा कि एक समय ऐसा आया था जब उन्हें अपने बेटे की कॉलेज फीस भरने के लिए लोगों के सामने हाथ फैलाने पड़ गए थे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि शराब घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने मेरे सारे बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए थे। इन्होंने तो मेरा 2002 में खरीदा फ्लैट भी छीन लिया था।

जब बेटे की फीस के लिए फैलाने पड़े हाथ

मनीष सिसोदिया ने जंतर-मंतर के मंच से कहा कि 2002 में, जब मैं एक पत्रकार था, मैंने ? 5 लाख का एक फ्लैट खरीदा था, उसे ईडी ने जांच के दौरान छीन लिया था। मेरे खाते में ? 10 लाख थे, वह भी छीन लिया गया था।

'क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि मां को आंखें दिखाने लगा...'

नई दिल्ली:

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर पर 'जनता की अदालत' को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा. अरविंद केजरीवाल ने फर प्रमुख मोहन भागवत से भी 5 सवाल पूछे. उन्होंने पूछा कि जिस तरह से पीएम मोदी उइकका डर दिखाकर सरकारें गिरा रहे हैं क्या फर उससे सहमत है?

अरविंद केजरीवाल ने संघ प्रमुख से पूछे ये 5 सवाल-

1- जिस तरह मोदी जी एऊ उइक का डर दिखाकर सरकारें गिरा रहे हैं क्या फर उससे सहमत है?

2- मोदी जी ने सबसे भ्रष्ट नेताओं को इखढ में शामिल कराया. क्या फर मोदी जी से सहमत है?

3- खढ नड्डा के बयान से फर दुखी हुआ या नहीं?

4- 75 साल वाला रूल मोदी जी पर लागू होगा या नहीं?

5- बीजेपी फर की कोख से पैदा हुई है. कहा जाता है कि ये देखना फर की जिम्मेदारी है कि इखढ पथभ्रष्ट न हो. क्या आप आज की बीजेपी के कदमों से सहमत हैं? क्या आपने कभी मोदी जी से ये सब न करने के लिए कहा ?

हमने ईमानदारी से चुनाव लड़कर दिखाया- केजरीवाल

आने वाला चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा का आने वाला चुनाव कोई मामूली चुनाव नहीं है, यह चुनाव अरविंद केजरीवाल की अग्नि परीक्षा है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आपको लगता है कि अरविंद केजरीवाल ईमानदार है तो हमें वोट देना। यदि आपको लगता है कि केजरीवाल बेईमान है तो मुझे कतई वोट मत देना।

अरविंद केजरीवाल ने अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर कहा, "नेताओं को ऐसे आरोपों से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं नेता नहीं हूं, मुझे फर्क पड़ता है। मुझे जब ये बीजेपी वाले चोर, भ्रष्टाचारी कहते हैं, मुझे जब ये गाली देते हैं तो मुझे फर्क पड़ता है। आज मैं बहुत दुखी हूं। मेरी आत्मा पीड़ित है। मैं अंदर से बहुत दुखी हूं और इसलिए मैंने इस्तीफा दिया, मैंने अपनी जिंदगी में केवल इज्जत, केवल ईमानदारी कमाई है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, अन्ना आंदोलन 4 अप्रेल 2011 को जंतर मंतर से शुरू हुआ था. तब सरकार ने हमें चैलेंज किया था चुनाव लड़कर दिखाओ, जीतकर दिखाओ. हम भी चुनाव लड़ लिये. देश के अंदर साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़ा जा सकता है और ईमानदारी से चुनाव जीता भी जा सकता है. हमने सरकार चलाई. बिजली पानी फ्री कर दिया. बसों में महिलाओं का सफर फ्री कर दिया. इलाज फ्री कर दिया. शानदार अस्पताल और स्कूल बना दिए।

रोहित शर्मा ने तोड़ा सचिन का सालों पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली:

टीम इंडिया ने बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज के पहले मैच में 280 रनों से हरा दिया. भारत की इस जीत में रविचंद्रन अश्विन की अहम भूमिका रही. रोहित शर्मा बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए. हालांकि फिर भी उनके नाम एक खास रिकॉर्ड दर्ज हो गया.

रोहित टीम इंडिया के लिए खेलते हुए सबसे ज्यादा जीत का हिस्सा रहने के मामले में सचिन तेंदुलकर से आगे हो गए हैं. इस मामले में महेंद्र सिंह धोनी भी पीछे हैं।

तिरुपति लड्डू विवाद पर जगन रेड्डी ने लिखी पीएम को चिट्ठी

तिरुपति:

तिरुपति लड्डू विवाद पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया है कि लड्?डू प्रसादम में पशु चर्बी मिलाई गई है. इस मामले को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू और पूर्व सीएम जगन रेड्डी आमने-सामने है.

इसी बीच रफउढ चीफ जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है. इस चिट्ठी में उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की पवित्रता को धूमिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है. इतना ही नहीं जगन ने पीएम से नायडू को फटकार लगाने और सच्चाई को उजागर करने की अपील की है.

'मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर लगाया झूठ बोलने का आरोप'

उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा, "मैं यह पत्र आंध्र प्रदेश राज्य में घटित हो रही अपमानजनक घटनाओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूं. मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता, अखंडता और प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है. भगवान वेंकटेश्वर के न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में करोड़ों हिंदू भक्त हैं और यदि इस नाजुक स्थिति को सावधानी से नहीं संभाला गया, तो ये झूठ से काफी नुकसान हो सकता है.

उन्होंने आगे लिखा, "मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने टीटीडी की कार्यप्रणाली के खिलाफ सरासर झूठ फैलाया है. उन्होंने आरोप लगाया कि तिरुमाला मंदिर में प्रसाद बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा घी मिलावटी है और उस घी में जानवरों की चर्बी है।

'क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि मां को आंखें दिखाने लगा...'

नई दिल्ली:

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर पर 'जनता की अदालत' को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और केंद्र की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा. अरविंद केजरीवाल ने फर प्रमुख मोहन भागवत से भी 5 सवाल पूछे. उन्होंने पूछा कि जिस तरह से पीएम मोदी उइकका डर दिखाकर सरकारें गिरा रहे हैं क्या फर उससे सहमत है?

अरविंद केजरीवाल ने संघ प्रमुख से पूछे ये 5 सवाल-

1- जिस तरह मोदी जी एऊ उइक का डर दिखाकर सरकारें गिरा रहे हैं क्या फर उससे सहमत है?

2- मोदी जी ने सबसे भ्रष्ट नेताओं को इखढ में शामिल कराया. क्या फर मोदी जी से सहमत है?

3- खढ नड्डा के बयान से फर दुखी हुआ या नहीं?

4- 75 साल वाला रूल मोदी जी पर लागू होगा या नहीं?

5- बीजेपी फर की कोख से पैदा हुई है. कहा जाता है कि ये देखना फर की जिम्मेदारी है कि इखढ पथभ्रष्ट न हो. क्या आप आज की बीजेपी के कदमों से सहमत हैं? क्या आपने कभी मोदी जी से ये सब न करने के लिए कहा ?

हमने ईमानदारी से चुनाव लड़कर दिखाया- केजरीवाल

आने वाला चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा का आने वाला चुनाव कोई मामूली चुनाव नहीं है, यह चुनाव अरविंद केजरीवाल की अग्नि परीक्षा है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आपको लगता है कि अरविंद केजरीवाल ईमानदार है तो हमें वोट देना। यदि आपको लगता है कि केजरीवाल बेईमान है तो मुझे कतई वोट मत देना।

अरविंद केजरीवाल ने अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर कहा, "नेताओं को ऐसे आरोपों से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं नेता नहीं हूं, मुझे फर्क पड़ता है। मुझे जब ये बीजेपी वाले चोर, भ्रष्टाचारी कहते हैं, मुझे जब ये गाली देते हैं तो मुझे फर्क पड़ता है। आज मैं बहुत दुखी हूं। मेरी आत्मा पीड़ित है। मैं अंदर से बहुत दुखी हूं और इसलिए मैंने इस्तीफा दिया, मैंने अपनी जिंदगी में केवल इज्जत, केवल ईमानदारी कमाई है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, अन्ना आंदोलन 4 अप्रेल 2011 को जंतर मंतर से शुरू हुआ था. तब सरकार ने हमें चैलेंज किया था चुनाव लड़कर दिखाओ, जीतकर दिखाओ. हम भी चुनाव लड़ लिये. देश के अंदर साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़ा जा सकता है और ईमानदारी से चुनाव जीता भी जा सकता है. हमने सरकार चलाई. बिजली पानी फ्री कर दिया. बसों में महिलाओं का सफर फ्री कर दिया. इलाज फ्री कर दिया. शानदार अस्पताल और स्कूल बना दिए।

कांग्रेस की सरकार बनी तो बनेंगे मुख्यमंत्री? भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दिया बड़ा बयान

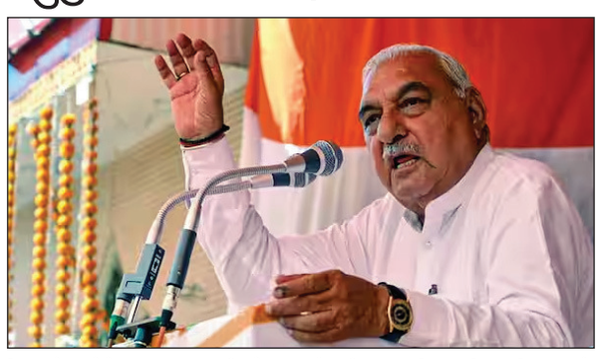

हरियाणा:

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपनी-अपनी जीत के दावे हैं. जहां बीजेपी ने अपना सीएम उम्मीदवार नायब सिंह सैनी को बनाया है, वहीं कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान नहीं किया गया है. इस बीच पूर्व सीएम और कांग्रेस के दिग्गज नेता भूपेंद्र हुड्डा ने सीएम फेस को लेकर बड़ा बयान दिया है. सिरसा में भूपेंद्र हुड्डा ने एएनाई से बातचीत में कहा, "विधायक जिसको चुनेगें वह मुख्यमंत्री होगा और हाईकमान तय करेगा." उन्होंने ये भी दावा किया कि हरियाणा में कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी।

सरकारों की नीयत नीतियों पर उठाए सवाल

अत्याधिक खोट तो नहीं? मायावती ने महिला सुरक्षा पर जाहिर की चिंता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को देश भर में महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर चिंता जाहिर करते हुए सवाल उठाया कि महिला सुरक्षा एवं सम्मान को लेकर सरकारों की नीयत व नीति में अत्याधिक खोट तो नहीं?

बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के अपने आधिकारिक खाते से एक पोस्ट में कहा, यूपी, बंगाल, ओडिसा, कर्नाटक समेत देश भर में महिलाओं के साथ दिल दहला देने वाली बढ़ती घटनाओं को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्ण राजनीति करना अति-दुखद, जबकि यह समय गंभीर चिंतन का है कि महिला सुरक्षा एवं सम्मान को लेकर सरकारों की नीयत व नीति में अत्याधिक खोट तो नहीं?

मायावती ने अपने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, एक के बाद एक हो रहे ऐसे जघन्य अपराधों में प्रथमदृष्टया सरकार की लापरवाही एवं पुलिस की संलिप्तता स्थिति को और भी अधिक गंभीर बना रही है। उन्होंने कहा, इसे (लापरवाही) त्याग कर सभी को निष्पक्ष व गंभीर होना बहुत जरूरी है, ताकि ऐसे जघन्य अपराधों से होने वाली बदनामी से प्रदेश व देश को बचाया जा सके।

2. एक के बाद एक हो रहे ऐसे जघन्य अपराधों में प्रथमदृष्टया सरकार की लापरवाही एवं पुलिस की संलिप्तता स्थिति को और भी अधिक गंभीर बना रही है,

जिसे त्याग कर सभी को निष्पक्ष व गंभीर होना बहुत जरूरी, ताकि ऐसे जघन्य अपराधों से होने वाली बदनामी से प्रदेश व देश को बचाया जा सके।

कानपुर में बड़ी साजिश नाकाम, रेल की पटरी पर मिला सिलेंडर

मालगाड़ी चालक की सूझबूझ से टला हादसा

कानपुर

कानपुर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के निकट रेल की पटरी पर रविवार सुबह एक गैस सिलेंडर मिला, जिसके बाद लोको पायलट (चालक) ने मालगाड़ी रोक दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी के लोको-पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बाद रविवार सुबह एक और ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम हो गयी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही थी। लगभग एक महीने के भीतर यह तीसरी घटना है, जब रेल सेवा को बाधित करने की कोशिश की गयी है।

रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि आज सुबह लगभग आठ बजकर 10 मिनट पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पुलिस ने सूचना दी कि प्रेमपुर स्टेशन से इलाहाबाद की तरफ जाने वाले रेलवे मार्ग पर लाल रंग का एक सिलेंडर पटरी पर रखा हुआ है। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस ने तत्काल प्रेमपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। यह पाया गया कि लाल रंग का खाली सिलेंडर पटरी पर रखा हुआ था।

कानपुर पूर्व के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि लोको पायलट ने रेलवे अधिकारियों को सतर्क किया, जिन्होंने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और कानपुर पुलिस को सूचना दी और मामले की जांच शुरू की

गयी। डीसीपी ने बताया कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने पांच किलोग्राम वजन का एलपीजी सिलेंडर देखा, जिसके बाद आपातकालीन ब्रेक लगाकर कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही मालगाड़ी को रोक दिया गया। उन्होंने बताया कि खोजी कुत्तों को काम पर लगाया गया और फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी बुलाया गया।

उन्होंने पाया कि एलपीजी सिलेंडर खाली था। अभी लगभग 15 दिन पहले ही प्रयागराज से भिवानी की ओर जा रही कालिंदी एक्सप्रेस को शिवराजपुर क्षेत्र में पटरी पर एलपीजी सिलेंडर रखकर पटरी से उतारने की कोशिश की गई थी। ट्रेन रुकने से पहले सिलेंडर से टकरा गई थी और ट्रेन की चपेट में आने से सिलेंडर पटरी से दूर जा गिरा था। इसी तरह कुछ दिनों पहले कानपुर-कासगंज रेल मार्ग पर पटरी के बीच गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की कोशिश की गयी थी। दोनों ही मामलों में जांच की जा रही है। लगभग एक महीने की भीतर यह तीसरी घटना है।

योगी ने गोरखपुर में अधिकारियों को लोगों की समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए

गोरखनाथ

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का एक मिनट 17 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, सबकी सुरक्षा और सभी को न्याय के संकल्प के साथ सतत क्रियाशील हैं महाराज जी...। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में फरियादियों की समस्या सुनकर अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का एक मिनट 17 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा,

सबकी सुरक्षा और सभी को न्याय के संकल्प के साथ सतत क्रियाशील हैं महाराज जी...।

संदीप उर्फ सोनू सोनी का कर्जदार ही निकला हत्यारा

ढाबा संचालक ने रुपए व जमीन बचाने के लिए सर्राफ की मुँह, नाक दबाकर मौत के घाट उतारा, आरोपी ने किया कबूल

अखण्ड भारत सन्देश

मांडा-प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र मांडा थानांतर्गत चार दिन पूर्व मांडा के धरांवनारा खेत में मिली आभूषण व्यवसायी(सर्राफ) की हत्या रुपये व जमीन बचाने के लिए ढाबा संचालक ने मुंह दबाकर मौत के घाट उतारने की कबूल किया। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय भेजा। मांडा थाना क्षेत्र के धरांवनारा गाँव में नहर के किनारे धान के खेत में गुरुवार सुबह थाना क्षेत्र के गरेथा गाँव निवासी संदीप ऊर्फ सोनू सोनी (26) का शव व उसकी काली अपाची बाइक मिली थी। शव मिलने के बाद परिजन शव अपने घर उठा ले गये थे। डीसीपी यमुनानगर विवेक कुमार यादव, एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता, इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह ने शीघ्र पदार्फाश और परिवार के सुरक्षा का आश्वासन दिया, तब परिजनों ने पुलिस को शव सौंपा। संदीप सोनी के पिता सतोष सोनी के तहरीर पर तीन ज्ञात व कुछ अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा मांडा थाने में दर्ज कर इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह ने विवेचना शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दम घुटना आया था। पुलिस ने नामजद आरोपी धरांवनारा गाँव निवासी हंसराज सिंह को पकड़ा। लेकिन हंसराज सिंह मामले को केवल दुर्घटना बताता रहा। जब पुलिस ने कड़ाई की, तो हंसराज सिंह ने पुलिस को बताया कि उसकी प्रयागराज-मिजार्पुर राजमार्ग पर धरांवनारा पेट्रोल पंप के सामने जमीन व ढाबा है। उसी जमीन के लिए संदीप सोनी ने हंसराज को काफी रुपये दिया था। दोनों एक दूसरे के घर भी आते जाते थे। अभी हंसराज के पिता अभयराज जिंदा हैं और सारी जमीन पिता के ही नाम है, इसलिए हंसराज जमीन की रजिस्ट्री कर नहीं सकता था। बुधवार रात संदीप सोनी हंसराज के ढाबे पर आया और मटन खाने तथा शराब पीने के बाद अपने रुपये व जमीन मांगने लगा। तो हंसराज ने संदीप को अपने घर अपने पिता के पास ले जा रहा था, वही नहर पर पहुँचते ही बाइक अनियंत्रित होकर धान के खेत में गिर गयी और संदीप सोनी धान के पानी भरे खेत में बाइक से गिरकर बेहोश हो गया था। हल्की चोट हंसराज को भी आयी थी। हंसराज ने संदीप से पीछा छुड़ाने का अच्छा मौका देख उसका मुंह और नाक दबाकर उसकी हत्या कर दी और घटनास्थल से गायब हो गया। इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह, चौकी इंचार्ज दिघिया डा. बाबूराम, सिपाही विनोद कुमार यादव, अभिमन्यु बिंद व मनोज अहिरवार ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिखा पढ़ी के बाद न्यायालय भेजा । घटना में सिर्फ हंसराज सिंह ही दोषी निकला, जबकि एफआईआर में तीन ज्ञात व कुछ अज्ञात आरोपी हैं। इसके पूर्व 19 जून 2018 को संदीप के छोटे भाई नीरज सोनी की भी गोली मारकर हत्या हुई थी।

मांडा पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को शान्ति भंग में किया चालान

मांडा। इलाकाई थाना क्षेत्र के भिन्न भिन्न गावों में मार पीट व गाली गलौज करने की सूचना पर मांडा पुलिस आधा दर्जन लोगों को शान्ति भंग में चालान कर दिया। मांडा थाना क्षेत्र के खवासका तारा चौराहे पर होटल मालिक से पैसे के लेन देन को लेकर गाली गलौज व मार पीट की सूचना पर मांडा पुलिस ने प्रथम पक्ष के गुलाम हुसैन उर्फ रजौली पुत्र अनवर अली, अरुण विश्वकर्मा पुत्र राजेन्द्र विश्वकर्मा निवासीगण हाटा व द्वितीय पक्ष के वारिश पुत्र हबीब, राहुल पुत्र अजय पटेल, अक्षय कुमार उर्फ छोटका पुत्र गुलाब सिंह उर्फ लाभी कोल निवासीगण बोधीपुर, हाटा को एसएसआई शैतान सिंह,चन्द्र पाल सिंह, रितेश कुमार यादव , योगेश यादव ने उपरोक्त लोगों को शांति भंग में चालान कर दिया ' उधर भारतगंज पुलिस चौकी अन्तर्गत कुखुड़ी गांव निवासी शिवशंकर ने तहरीर देकर आरोप लगाया हैं कि गांव के ही नितेश मिश्रा पुत्र लल्लन प्रसाद मिश्रा ने गाली गलौज देते हुए मारा पीटा भुक्तभोगी के तहरीर पर एसआई रवि कुमार ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शांति भंग ने चालान कर दिया है।

न्यूज झरोखा

सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता : स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य

प्रतापपुर। रामापुर, सिरसा चौराहा गांव में मुख्य यजमान पंडित मानिक चंद्र तिवारी एवं नगीना देवी के निवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ सप्ताह के प्रथम दिवस शनिवार को कथा व्यास स्वामी रामानुजाचार्य हरिप्रपन्नाचार्य महाराज द्वारा सात दिवसीय संगीतमय कथा का शुभारंभ कलश यात्रा, वेदी पूजन के साथ किया गया। महाराज ने श्रीमद्भागवत महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कलयुग में मनुष्य अपने भावों को सत्संग के जरिए ही स्थिर रख सकता है सत्संग के बिना विवेक उत्पन्न नहीं हो सकता और बिना सौभाग्य के सत्संग सुलभ नहीं हो सकता। भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि मृत्यु को जानने से मृत्यु का भय मन से मिट जाता है, जिस प्रकार परीक्षित ने भागवत कथा का श्रवण कर अभय को प्राप्त किया, वैसे ही भागवत जीव को अभय बना देती है श्रीमद्भागवत कथा परमात्मा का अक्षर स्वरूप है यह परमहंसों की संहिता है, हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाती है भागवत कथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है यह ग्रंथ वेद, उपनिषद का सार रूपी फल है।श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से मनुष्य के सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं। प्रथम दिन की कथा संपन्न होने पर आरती करने के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर आचार्य अंबुज, आचार्य सत्यम, आचार्य विपिन, आचार्य विवेक एवं परिजनों में प्रदीप कुमार तिवारी दीपक, सुशील तिवारी, पवन कुमार तिवारी, ध्रुव तिवारी, प्रिंस तिवारी, राघव तिवारी, आशुतोष तिवारी, आदित्य तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जंघई जंक्शन से ट्रेनों का संचालन आज से शुरू

जंघई। 3 सितम्बर से 22 सितंबर तक नान इंटरलाकिंग कार्य के कारण जंघई जंक्शन पर ट्रेनों का संचालन एवं रेलवे फाटक बंद कर दिया गया था। 22 सितंबर को कार्य पूरा होने के बाद जंघई जंक्शन पर सेफ्टी अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता की जांच को परखा तथा रेल पटरियों की माप के बाद ट्रेनो के संचालन के लिए अनुमति दे दी। वाराणसी प्रतापगढ़ रेलवे रुट पर स्थित जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर कई वर्षों से यार्ड रिमाडलिंग का कार्य किया जा रहा था। जिसके तहत जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पांच प्लेटफार्म और आठ ट्रैक बिछाये गये थे जिसका नान इंटरलाकिंग का कार्य 3 सितंबर से 22 सितंबर तक किया गया। रविवार को कमिश्नर रेलवे सेफ्टी दिनेश कुमार जायसवाल ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का सेफ्टी और सुरक्षा को जांचा परखा और नई लाइनों को देख निरीक्षण किया, नई पावर केविन, फुट ओवर ब्रिज प्लेटफार्म का निरीक्षण किया और मोटर ट्राली द्वारा जंघई से उग्रेसनपुर डबल लाइन का निरीक्षण कर डबल लाइन पर रेल संचालन करने का अनुमति प्रदान किया। यह संचालन 23 सितंबर से शुरू किया जाएगा, इस निरीक्षण के दौरान डीआरएम लखनऊ शचींद्र मोहन शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक एसएन शर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रजनीश श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक सामान्य पवनीश कट्टल, स्टेशन अधीक्षक कोमल सिह, सीएमआई आनंद श्रीवास्तव, आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार, जीआरपी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव सहित काफी संख्या में अधिकारी गण उपस्थित रहे। स्टेशन अधीक्षक कोमल सिह ने बताया कि सीआरएस का कार्य पूरा हो गया है 23 सितंबर से ट्रेनों का संचालन शुरू हो जायेगा।

कोरांव में बकरी पशु चोर सक्रिय

ग्राम अल्हवा,शिवपुर आदि सहित कई स्थानों से रात घर से पुनः चुराई गई बकरिया,थाने में दी गई रपट

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र में कई स्थानों से बकरियों की चोरी का गिरोह सक्रिय है। किंतु एक भी बकरी,पशु चोरों के गिरोह का पर्दा फाश नहीं हो सका है। ग्राम अल्हवा सहित कई गांवों में आधी रात को बकरिया घर के अंदर से चोर चुरा ले गए। बता दें कि ग्राम अल्हबा निवासी मोहम्मद ईशा की घर में टटरा के अंदर बधी गाभींन तीन बकरियां करीब एक बजे रात्रि बकरियों को कुछ सुंघा कर उठा के गए। घर वालों ने बताया कि मुख्य मार्ग पर आधी रात को बाइक सवार लोग खड़े थे किंतु समझ न पाए की बकरी ही चुराने वाले हैं। इसी बीच तीन बकरियां जिनकी कीमतें कुल ४५ हजार हैं उठा के गए। अंग्रेजी जंगल तक लुकेशन मिला कि एक क्षेत्रीय पिकप वाहन जंगल के आड में किनारे खड़ी हो कर बकरियां लदी हैं। उसी रात शिवपुर से भी तीन बकरियां चोर उठा लाए। चर्चा है कि बकरी चोर दिन में लूकेशन ले कर रात में चोरी से बकरियों को कुछ सुंघा कर लाद ले जाते हैं। इसी तरह रज्जब चौकीदार अल्हवा की भी कुछ माह पूर्व बाकरियां बाइक से लाद कर उठा ले गए थे। महुली के इकबाल और देवघाट से कल्लू की कई बकरियां चोर चुरा ले गए हैं। ग्राम प्रधान अल्हवा शहजादे पत्रकार की भी दो कीमती बकरियां पिछले साल वाहन पर रात में लाद कर उठा ले गए हैं। तहरीर दी गई। किंतु आज तक कोई केस वर्क आउट नहीं हो सका। न ही एफआईआर दर्ज की जाती है। ग्राम अल्हवा में 21/22/2024 की रात्रि में चोरी की घटना को थाने पर रपट दी गई है। थाने पर मौजुद एसएसआई राम सजीवन मौर्य ने तहरीर ले ली और अवश्य कार्यवाही की आश्वासन दिया। किंतु तत्काल प्रभाव से रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई। जिससे बकरी चोरों का गिरोह सक्रिय है। स्थानीय स्तर पर कुछ लोगो ने तहकीकात किया तो पता चला इर्द गिर्द के बकरी व्यवसाई भी उक्त कांड में शामिल हो सकते हैं। क्योंकि दिन में लूकेशन ले कर रात में जानवर उठा ले जाना अब आम बात हो गई है। लोगों ने उक्त केस को वर्क आउट किए जाने की मांग की है। जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृति न हो सके।

उपचुनाव को लेकर कांग्रेसियों की हुई बूथ स्तरीय बैठक

सहसों। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेश कुमार मिश्र ने फूलपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सहसों के थानापुर ग्राम सभा में युवा कांग्रेस की एक बैठक आयोजित किया। जिसमें बूथ स्तर पर अध्यक्ष और ज़िला एवं प्रदेश के युवा पदाधिकारियों तथा बूथ प्रभारी का दायित्व देते हुए संगठन का कार्य करने पर जोर दिया। और यह उपचुनाव युवाओं के हित व अहित पर होने जा रहा है। बेरोजगारी और बढ़ते अपराध पर लगाम तभी लगेगा जब शिक्षित युवा को नेतृत्व मिलेगा और जन नेता राहुल गांधी की सोच यही है कि युवा अपने लिए स्वयं आगे आकर लड़ाई लड़े। उन्होंने बताया कि फूलपुर विधानसभा के ४ ब्लॉक, १२ मण्डल, २५ न्याय पंचायत, १६४ ग्राम सभा, १ टाउन एरिया, १० वार्ड नगर निगम एवं ४३५ बूथो पर युवा नेतृत्व को संगठन कमान देने जा रही है। हर स्तर पर अध्यक्ष और प्रभारी बनाये जा रहे हैं। हम सब दिन रात मेहनत से संगठन को खड़ा करेगे ताकि युवाओं को मौका मिले और केंद्रीय नेतृत्व विकशित हो सके। बैठक में प्रमुख रूप से कृष्णा, अमित, जितेंद्र, विजय, गौरव आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)और पाइथन की पढ़ाई आरंभ

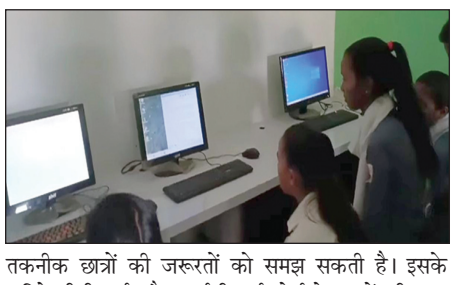

करछना। बेसिक स्कूलों के छात्रों को इस वर्ष विज्ञान के पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और पाइथन लैंग्वेज के बारे में पढ़ाया जा रहा है। यह शायद प्रौद्योगिकी और नवाचार की दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला विकास है। बेसिक के छात्रों को स्किल विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। स्कूलों में एआई के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा कक्षाएं भी संचालित की जाएगी। इन विषयों की पढ़ाई से छात्र अभी से रोजगारोन्मुख विषयों की समझ विकसित कर सकेंगे। गत वर्ष प्रदेश सरकार की ओर से बेसिक विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,पाइथन, साइबर सुरक्षा, स्कैच कोडिंग जैसे पाठ्यक्रमों की पढ़ाई शुरू करने की बात कही गई थी।वर्तमान सत्र में पाइथन लैंग्वेज द्वारा कक्षा 7 के छात्रों को दिए गए चित्र का क्षेत्रफल निकालना और दिए गए प्रोग्रामों का परिणाम निकालना आदि विषयों के बारे में सीखना होगा। हाल ही में केरल के तिरुवनंतपुरम के एक स्कूल में पहली एआइ शिक्षिका भी मिली है। निश्चित रूप से तकनीकी के क्षेत्र में यह देश के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि है। केरल के स्कूल में पेश की गई इस रोबोट शिक्षिका का नाम ह्यआइरिसह्न है, जोकि चैटजीपीटी जैसे एआइ प्रोग्रामों से लैस है और इसके पास गणित एवं विज्ञान जैसे विषयों के प्रश्नों का उत्तर देने की क्षमता भी है। एआई निश्चित रूप से बेसिक शिक्षा को और अधिक कुशल बना सकता है। यह तकनीक छात्रों की जरूरतों को समझ सकती है। इसके जरिये सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के छात्रों की तरह बेसिक के छात्र दक्ष शिक्षकों के माध्यम से कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम को तैयार कर सकते हैं। संक्षेप में कहें तो एआई दुनिया का भविष्य बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई जल्द ही मानव जीवन का अभिन्न अंग बन जाएगा,जोकि दुनिया को देखने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा।

एआई शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए चुनौतियां :

एआई शिक्षा को आगे बढ़ाने में शिक्षकों को आगामी दिवसों में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।पर्याप्त संसाधन जैसे कंप्यूटर लैब , इंटरनेट की उपलब्धता जैसी अन्य बुनियादी सुविधाए, योग्य शिक्षकों की कमी के चलते पाठ्यक्रम विकास में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

धर्म के नाम पर धंधा, पार्क को बनाया कमाई का अड्डा!

अखंड भारत संदेश

रामलीला के नाम पर चंदा वसूली के बाद भी जारी रहता है किराएदारी और मीना बाजार शॉपिंग सेंटर का धंधा!

नैनी। सार्वजनिक रामलीला कमेटी के नाम पर बेहिसाब चंदा वसूली हो रही है। कमेटी के एक पदाधिकारी द्वारा धर्म के नाम पर धंधा किया जा रहा है। पार्क को व्यवसायिक स्थल में बदल दिए जाने के कारण स्थानीय निवासी बहुत दुखी और परेशान हैं। श्रमिक बस्ती, नैनी, ब्लॉक संख्या 1से 18 के बीच में स्थित रामलीला मैदान की भूमि श्रम विभाग की संपत्ति है। धर्म की आड़ में इस सरकारी जमीन का व्यावसायिक उपयोग सार्वजनिक रामलीला कमेटी के एक पदाधिकारी के द्वारा किया जा रहा है। मॉर्निंग वॉक के लिए बनाई गई रोड पर समिति के बड़े-बड़े चौकी वाले वाहन खड़े कर दिए गए हैं। जिसकी वजह से रास्ता बंद हो जाता है। रामलीला के नाम पर आम जनता की धार्मिक भावनाओं के साथ खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। स्थानीय जनता द्वारा भारी विरोध किए जाने के कारण अब यहां पर रामलीला की जगह महाभारत होने की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है की रामलीला कमेटी के पदाधिकारी पहले चीनी मिल, नैनी बाजार में रामलीला कराया करते थे। वहां से बहिष्कृत कर दिए जाने के बाद श्रमिक बस्ती रामलीला मैदान में धर्म की आड़ में धंधा कर रहे हैं। चंदा वसूली का कोई हिसाब नहीं रखा जाता। रामलीला की आड़ में श्रमिक बस्ती नैनी के इस पार्क पर अवैध रूप से कब्जा कर दिया गया है। फूल पत्तियां पेड़ पौधे सब नष्ट कर दिए गए। पैदल पथ के चारों तरफ रामलीला की चौकियों के वाहन खड़े कर दिए गए हैं। इस रामलीला पार्क में पहले शाम को बच्चे खेलते हैं। बुजुर्ग लोग पैदल घूमते हैं। पार्क में आए दिन मीना बाजार लगवा दिया जाता है। हस्तशिल्प मेले के नाम पर जुए का अड्डा चलवाया जाता है। दुकानदारों से गुंडा टैक्स वसूली की जाती है।कमर्शियल दुकाने सेल के खोल कर बिक्री कराई जाती है। इससे होने वाली अवैध कमाई को लेकर बंदरबांट होती है। भ्रष्टाचार का खुला खेल चल रहा है। समिति के पदाधिकारी के द्वारा, सार्वजनिक चंदे से जो चौकियां बनाई गई है। उन चौकियों को जगह-जगह भाड़े पर दिया जाता है। भाड़े से आने के बाद उनको फिर इसी पार्क मिलकर खड़ा कर देते हैं।किराए पर भेजी जाने वाली चौकियों को पार्क करने का एक तरह से अड्डा बना दिया गया है। क्षेत्र की पूर्व पार्षद नीलम यादव ने आरोप लगाया है कि इस पार्क में सुन्दरीकरण और विकास कार्य वधित होते है। पार्क में सालों भर इनका कब्जा होता है। श्रृंगार चौकी इसी पार्क में खड़े करके कब्जा किया गया है। जिससे कि आम जनता को परेशानी होती है। इधर मात्र एक ही पार्क है। जिसमे लोग और बच्चे आते है। लोगों का विरोध भगवान से नही, उनके नाम यानी धर्म के नाम पर वसूली करने वालो से है । अगर धर्म की आड़ में पार्क कब्जा करने के कार्य से बाज नही आये तो पीआईएल दाखिल की जाएगी।

सनातन धर्म की रक्षा एवं संगठन की मजबूती के लिए जनजागरूकता जरूरी : नित्यानंद

मेजारोड के मानस गेस्ट हाउस में विहिप कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

मेजा। जिला योजना को लेकर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को मेजारोड के मानस गेस्ट हाउस में आयोजित की गई जिसमें हिंदू समाज की जगरूगता एवं संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठन के यमुनापार जिलाध्यक्ष ईंजी नित्यानंद उपाध्याय ने कहा कि हम सब सनातन धर्म और उसकी परंपरा को मजबूत बनाए रखने को लेकर गांवों में भ्रमण कर अपने समाज के लोगों को जागरूक करेंगे ताकि संगठन को और अधिक मजबूत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा संगठन की मजबूती एवं हिंदुओं की संस्कृति को सुरक्षित रखने के हिंदू समाज को आगे आना होगा। इसी क्रम में जिला उपाध्यक्ष रमाकांत पाण्डेय ने पदाधिकारियों का उत्साह वर्धन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति और संस्कार को बताना होगा। बच्चों को अपने माता-पिता व परिवार के सदस्यों के पैर छूने व उनकी दिनचर्या में सनातन धर्म की संस्कृति को ढालना होगा। संघ के संगठन मंत्री सुभाष गिरी ने कहा कि हमें अपने लोगों के बीच पहुंचकर सनातन धर्म के प्रति जन जगरुगता बढ़ाने एवं संगठन को मजबूती प्रदान करना होगा। उन्होंने आगे कहा जब संगठन मजबूत होगा तो अपना हिन्दू समाज भी मजबूत रहेगा। इस मौके पर जिला मंत्री काशी प्रांत रविशंकर तिवारी, नारायण प्रसाद, सह प्रचार प्रमुख श्रीकान्त यादव, कृपाशंकर तथा विजय शंकर मिलन सहित कई अन्य पदाधिकारी प्रमुंख रूप से मौजूद रहे।

मऊआइमा के उमैर जलाल को महाराष्ट्र सपा प्रभारी मनोनीत किया गया, क्षेत्र में खुशी की लहर

मऊआइमा। पूर्व सीएम सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मऊआइमा के वरिष्ठ समाजसेवी एंव सपा नेता उमैर जलाल को भिवंडी महाराष्ट्र का प्रभारी नामित किया है। उक्त जानकारी सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने दी। मऊआइमा के उमैर जलाल को भिवंडी महाराष्ट्र का प्रभारी मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है।और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।जिनमें चेयरमैन शोएब अंसारी, मेराज आरिफ, नूरुद्दीन सैफी,कौसर गयास, मोहम्मद अनस,वासिक, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इम्तियाज समी, मोहम्मद अफसार, रिजवान, आदि मौजूद थे।

बाजे-गाजे के साथ टिकरा से गया धाम किया प्रस्थान

जंघई। सनातन धर्म परंपरा में पुत्र के तीन प्रमुख कर्तव्य हैं पहला- जीवित माता-पिता की सेवा, दूसरा- देहांत के उपरांत उनका श्राद्ध और तीसरा- उनकी मुक्ति के लिए पवित्र तीर्थ में पिंडदान, इन तीनों को पूरा करने वाला ही अपने पुत्रत्व को सार्थक करता है दिवंगत माता-पिता के प्रति श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म ही श्राद्ध है। पिंडदान, तर्पण और दान इसकी विधि है जो किसी पवित्र तीर्थ के तट पर करने का विधान है। रविवार को अपने पितरों एवं माता पिता के श्राद्ध तर्पण हेतु टिकरा गांव निवासी अशोक कुमार मिश्रा, प्रमोद कुमार मिश्रा, अनिल कुमार मिश्रा, कृष्ण कुमार मिश्रा, देवी प्रसाद मिश्रा गाजे-बाजे ढ़ोल नगाड़ों के साथ पूरे खानदान के हर घरों में अक्षत छिड़कते हुए पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए गया धाम की यात्रा पर प्रस्थान किया।

प्रदूषित इस पर्यावरण को फिर से पवित्र बनाएं

आओ सब मिलकर वृक्ष लगाएं, कुंवर जी तिवारी

नैनी। नैनी अरैल सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा रविवार को नीरज पाण्डेय के नेतृत्व में सुरियाभीट गांव में सरस्वती परिवार की टीम द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम कर वृक्ष लगाएं गये। उन्होंने कहा कि आज हमारे पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु वृक्ष लगाने की अत्यंत आवश्यकता है, जिससे जीवन जीना सुगम हो सकें। संस्थान के प्रमुख कुंवर जी तिवारी ने कहा कि पिछले वर्षों में हम सबने कोरोनाकाल में आक्सीजन की कमी का अनुभव किया और आज हमारे सामने कुम्भ की तैयारियों की वजह से पेड़ों की कटाई की एक भयावह स्थिति खड़ी हैं, जिसकी भरपाई करने हेतु हम सबको भारी से भारी मात्रा में वृक्षारोपण करने की आवश्यकता है। इसलिए प्रत्येक प्राणी को अपने जीवन मे दो चार पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। क्योंकि अंतिम संस्कार में भी एक पेड़ हम अपने साथ लेकर जाते हैं। कार्यक्रम में मनीष पांडेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, सुनील कुशवाहा, डां.एस.बी.यादव, संदीप केसरवानी, आत्म प्रकाश यादव, विनोद गुरानी, सौरभ यादव, कार्तिकेय तिवारी, आर्यन यादव, विनायक पाण्डेय, उज्जवल यादव, सनी यादव, गौरव यादव, निर्मल कुशवाहा, तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

इंदुमती नेत्रालय में आज से 30 सितंबर तक आयोजित होगा निःशुल्क नेत्र शिविर

मेजा। मेजारोड बाजार में एचडीएफसी बैंक के बगल स्थित इंदुमती नेत्रालय में 23 सितंबर से 30 सितंबर तक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें इंदुमती नेत्रालय के योग्य एवं अनुभवी वरिष्ठ सर्जन डॉ दीपक शर्मा और डॉ दावर शूजा के नेतृत्व में अत्याधुनिक मशीनों से आंखो की निशुल्क मोतियाबिंद ,आंखो की रोशनी और पर्दे की जांच के साथ परामर्श का लाभ भी मरीजों को निःशुल्क दिया जायेगा। इस अवसर पर नेत्रालय के संचालक ने क्षेत्र के नेत्र रोगियों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर शिविर का लाभ उठाने की अपील किया है।

अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

प्रसव के उपरांत प्रसूता की मौत अस्पताल के बाहर हुआ हंगामा, परिजनों का आरोप लापरवाही से हुई मौत

सहसों। सहसों के कसेरूआ कला स्थित एक अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती प्रसूता प्रसव के बाद उसकी मौत हो गई। जिससे परिजनों ने हंगामा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा मामला सांत गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नवाबगंज थाना अंतर्गत भगदेवरा गांव निवासिनी सुनीता 24 वर्ष पत्नी शिवकुमार पटेल को प्रसव पीड़ा उत्पन्न हुई तो परिजन उसे सहसों के कसेरूआ कला स्थित विशेषर अस्पताल में शनिवार को भर्ती कराया। जहां पर ऑपरेशन के बाद बेटा पैदा हुआ। रात में प्रसूता की तबीयत ज्यादा खराब हुई तो उसे शहर के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन प्रयागराज स्थित स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले गए जहां पर डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने वापस शव को विशेषर अस्पताल के गेट पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची थाना सरायइनायत एवं सहसों चौकी की पुलिस ने परिजनों को समझा बूझकर शव पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। अस्पताल के बाहर हंगामा करते हुए परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर की लापरवाही से प्रसूता महिला की मौत हो गई। मृतक महिला के पिता राम प्रसाद पटेल बेनीपुर बहरिया निवासी ने अस्पताल संचालक के खिलाफ पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रसव के उपरांत बच्चा स्वस्थ है।

सद्गुरु नेत्र चिकित्सा केंद्र चित्रकूट द्वारा निः शुल्क परीक्षण का हुआ आयोजन

करछना। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गढ़वा कलां में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट धाम की ओर से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर रविवार को आयोजित हुआ। जिसमें आंखों से संबंधित रोगियों की भीड़ रही। वहीं नेत्र विशेषज्ञों की ओर से अत्याधुनिक उपकरणों से नेत्र रोगियों के आंखों की जांच करके निःशुल्क में ड्रॉप, दवाइयां व चश्मा भी वितरित किए गए। शिविर में मौजूद नेत्र चिकित्सक डॉ श्रीकांत पांडेय, डॉ संजय गुप्ता व डॉ विनय मिश्र की ओर से कुल 105 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 20 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चित्रकूट धाम स्थित सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में ले जाया गया।शिविर के संयोजक समाजसेवी लालता प्रसाद मिश्र की ओर से शिविर में शिरकत किए सभी लोगों के प्रति आभार जताया गया।? उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद से संबंधित सभी मरीज ऑपरेशन के बाद 26 सितंबर को अपने-अपने घर वापस आ जाएंगे।

20 वर्षों से रह रहे 50 कर्मचारियों का छिन गया आशियाना, हुए बेघर

नैनी। पिछले 20 वर्षो से नैनी के पीडीए कॉलोनी में रह रहे टीएसएल कंपनी के 50 कर्मचारियों के आशियाने को शनिवार दोपहर खाली करा दिया गया। यह कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेश पर थी गई। कार्रवाई के बाद सभी कर्मचारियों ने तत्काल प्रभाव से कॉलोनी को खाली कर दिया। कॉलोनी मे रहने वाले लोगों ने घरों से सारा सामान निकालकर सड़क पर आ गये। इस कार्रवाई के दौरान भारी फोर्स मौजूद रही। नैनी में काफी समय से बंद पड़ी टीएसएल कम्पनी के कर्मचारी पहले से मुसीबत झेल रहे थे। किसी तरह से आर्थिक तंगी के बीच अपने परिवार को पाल रहे थे। शनिवार को उन पर मुसीबतों का एक और पहाड़ टूट पड़ा। बीस सालों से नैनी के पीडीए कॉलोनी में बनी कॉलोनी में कम्पनी के 50 कर्मचारी रह रहे थे। कम्पनी में

ज्वाइनिंग के दौरान ही उन कर्मचारियों को वह फ्लैट एलाट किया गया था। लेकिन कम्पनी बंद होने के बाद से उन कर्मचारियों को कोई भुगतान नही मिल सका। वही कम्पनी के कर्मचारियों को उस कॉलोनी से शनिवार को बाहर करा दिया गया। शनिवार को हाईकोट के आदेश पर प्रभारी तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने नैनी इंस्पेक्टर वैभव सिंह व थाने की फोर्स के साथ पहुंचकर कॉलोनी को खाली करा दिया। मौके पर रहे अधिकारियों ने नोटिस चस्पा कर मकानो को सील कर दिया है। बेघर हुए लोग सड़क पर अपना सामान रखकर सिर्फ यह सोचते रहे कि आखिर अब कब उन्हें आशियाना मिलेगा।

एक महीने पहले मिली थी नोटिस

: कॉलोनी में रहने वाले शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि 2004 में वह कॉलोनी में आये थे। उन्हें बीआरएस भी नही दिया गया। एक महीने पहले ही कम्पनी ने कॉलोनी खाली के लिए नोटिस जारी किया गया था। जिसके बाद वह कोर्ट की डबल बेंच पर याचिका दाखिल की थी लेकिन उन्हें न्याय नही मिल सका। वहीं सविता देवी और रामकली ने कहा कि हम लोग कई साल से यहां रह रहे थे। कालोनी नौकरी के समय ही मिली थी। कंपनी बंद होने के बाद आज तक पैसा तो मिला नही बल्कि जो सिर ढकने का एक सहारा था उसे भी छीन लिया गया। तहसीलदार बारा गणेश सिंह ने बताया कि कॉलोनी को कम्पनी कंपनी ने खाली कराने के लिए कोर्ट मे पत्र दाखिल किया था। हाई कोर्ट के आदेश के बाद कॉलोनी को शांतिपूर्वक खाली करा दिया गया है।

एडीओ पंचायत ने ग्राम पंचायत का कराया निरीक्षण

सोरांव। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस समापन के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी ने सोरांव ब्लॉक पहुंचे जहां पर एडीओ पंचायत सुरेंद्र प्रसाद यादव ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत सम्मान करके ग्राम पंचायत का निरीक्षण करवाए। निरीक्षण के बाद सचिवों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। विकास कार्यों की गति धीमी होने पर कई सचिवों को काम में तेजी लाने की भी बात कहे। उसके बाद डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत पड़रैया, अहिबीपुर व सेवइत ग्राम पंचायत पहुंचे। यहां सचिवालय और आरआरसी सेंटर का निरीक्षण किया। निमार्णाधीन आरआरसी सेंटर को तत्काल पूरा कराने का निर्देश दिया। इसी प्रकार सोरांव, सराय बाहर, अकारीपुर में राज्यवित्त और 15वें वित्त की प्रगति धीमी होने पर सचिवों को जल्द से जल्द कार्य पूरा कराने को कहा। मौके पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सोरांव सुरेंद्र प्रसाद यादव,सचिव कौशल कुमार, अंकित मौर्य, नितेश कुमार, लाल प्रताप यादव, मोहम्मद साकिब संग अन्य सचिव और संबंधित ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

फर्जी पैरामेडिकल संस्थान के नाम पर ठगी, छात्रों का भविष्य खतरे में

फजीर्वाड़ा सामने आने पर लखनऊ स्थित संस्थान को पहले ही किया गया सीज, झूंसी स्थित संस्थान को सम्बद्ध कर छात्रों से वसूले गए लाखों रुपए

झूंसी। एक फर्जी पैरामेडिकल संस्थान के नाम से सैकड़ों छात्रों से ठगी करने का मामला सामने आया है। संस्थान के संचालक ने लखनऊ से संबंध पैरामेडिकल साइंसेस संस्थान के खिलाफ फजीर्वाड़ा और लाखों रुपए की ठगी करने का झूंसी थाना में मुकदमा दर्ज कराया है। फजीर्वाड़ा सामने आने पर लखनऊ स्थित संस्थान को पहले ही सीज किया जा चुका है। झूंसी में स्थित सम्यता इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निशियन (डी एम एल टी) का कोर्स कराया जा रहा था। संस्था के संचालक सत्येन्द्र कुमार का आरोप है कि इस संस्थान का उत्तर प्रदेश स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी, लखनऊ से सम्बद्धता थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 24 अप्रैल 2023 को प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों की परीक्षा होनी थी, लेकिन एडमिट कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज परीक्षा से पहले तक प्राप्त नहीं हुए। जब संस्थान से संपर्क किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला, और लखनऊ स्थित कार्यालय भी बंद मिला। बाद में पता चला कि यह संस्थान फर्जी है और इसका उत्तर प्रदेश सरकार या स्वास्थ्य विभाग से कोई संबंध नहीं है। सरकार द्वारा संस्थान के कार्यालय को सील कर दिया गया है। सत्येन्द्र कुमार के अनुसार, उन्होंने इस फर्जी संस्थान को सम्बद्धता के नाम पर 50,000 रुपये और अन्य फीस के नाम पर कुल 2,48,000 रुपये का भुगतान किया, जिसमें से 74,000 रुपये ऑनलाइन और बाकी कैश में दिए गए थे। ठगी का शिकार होने के बाद, उन्होंने झूंसी थाना में 19 नवंबर 2023 को शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कई अन्य संस्थानों और छात्रों के साथ भी इसी तरह की धोखाधड़ी किए जाने की सूचना मिली है। सत्येन्द्र कुमार ने बैंक स्टेटमेंट, रसीदें, और अन्य दस्तावेज भी शिकायत के साथ संलग्न किए हैं। पीड़ित छात्रों का भविष्य अधर में है, और वे न्याय की आस में प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एसओ झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

पत्रकार की दुर्घटना में मृत्यु को हत्या दिखाने पर कोर्ट नाराज, इंस्पेक्टर कौंधियारा न्यायालय में तलब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कौंधियारा थाना अंतर्गत मैदा मोड़ के पास दिनांक 13.7.2024 को पत्रकार अपनी बाइक से जा रहे थे तथा किसी कार से दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे इलाज के दौरान पत्रकार की मृत्यु दिनांक 21.07 2024 को हो गई थी। घटना के 17 दिन बाद दिनांक 31.7.2024 को पत्रकार की पत्नी द्वारा इस आशय की एफ आई आर दर्ज कराई थी कि विष्णू गुप्ता व पत्रकार विकास गुप्ता उर्फ शालू गुप्ता द्वारा सोची समझी रणनीति के तहत हत्या की साजिश रच कर हत्या कारित किया। याची विकास उर्फ शालू गुप्ता द्वारा समस्त अधिकारियों को साक्ष्य सहित सूचित किया गया कि उक्त एफ आई आर झूठी है तथा विकास गुप्ता का कोई दोष या दुर्घटना में कोई रोल नहीं है। बल्कि याची द्वारा दुर्घटना के बाद मदद के लिए पुलिस को फोन से सूचित भी किया गया था और हॉस्पिटल जाकर भी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मदद भी की गई थी उक्त के बावजूद विकास गुप्ता को जबरन दुर्घटना में शामिल किया गया तथा हत्या का भी दोष लगाया जिससे क्षुब्ध हो कर विकास उर्फ शालू गुप्ता द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका योजित की गई जिसके क्रम अधिवक्ता शचीन्द्र कुमार मिश्र की बहस सुनकर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा विकास उर्फ शालू गुप्ता की गिरफ्तारी पर रोक लगाया गया तथा घटना व एफ आई आर की संदिग्धता को देखते हुए समस्त रिकॉर्ड के साथ इंस्पेक्टर कौंधियारा जो कि मामले में विवेचक भी है को भी अगली तिथि को न्यायालय में उपस्थित रहने हेतु तलब किया गया है।

नैनी पुलिस ने बच्ची से छेड़खानी करने वाले युवक को भेजा जेल

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र में बच्ची से छेड़खानी करने वाले युवक को पुलिस ने भेजा जेल शनिवार देर रात बच्ची के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। आरोप है कि युवक ने मोहल्ले की सात वर्षीय बच्ची को बहला फुसलाकर अपने घर ले गया। उसके साथ छेड़खानी की। बच्ची के परिजनों ने आरोपित की पिटाई की। इंस्पेक्टर नैनी वैभव सिंह ने बताया कि आरोपी सचिन अग्रहरि को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके खिलाफ पहले भी जान से मारने का प्रयास समेत कई धाराओं में मामला दर्ज है।

मालिकाना अधिकार के लिए धरना-प्रदर्शन जारी

नागरिक आबादी से अर्ध सैन्यबल पीएसी कैंप को हटाने की मांग

नैनी। श्रमिक बस्ती, नैनी के आवासों का मालिकाना अधिकार दिए जाने, श्रमिक बस्ती नैनी की घनी आबादी के मध्य से अर्ध सैन्यबल पीएसी कैंप को हटाने की मांग को लेकर स्थानीय निवासियों द्वारा शुरू किया गया धरना प्रदर्शन आंदोलन आज भी जारी रहा।श्रमिक बस्ती, नैनी स्थित मानस पार्क में बस्ती के निवासी इकट्ठा हुए। जुलूस निकालकर नारेबाजी की गई और पार्क में धरना दिया गया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नैनी, प्रयागराज समेत उत्तर प्रदेश के कई शहरों में औद्योगिक श्रमिक बस्तियों की स्थापना की गई थी। इन बस्तियों में पिछले 70 वर्षों से लोग रहते हैं। केंद्र सरकार ने 1978 में इन कॉलोनियों के कमरों में रहने वाले लोगों को उनके आवासों का मालिकाना अधिकार दिए जाने का आदेश दिया था। उड़ीसा और मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के

आदेश के अनुसार मालिकाना अधिकार दे दिया। लेकिन उत्तर प्रदेश में पिछले 34 वर्षों से यह समस्या लंबित है। जिसकी वजह से इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। श्रमिक बस्ती समिति के महासचिव विनय मिश्र ने कहा कि पिछले दिनों माननीय मुख्यमंत्री जी को इस संबंध में मांग पत्र दिया गया था। उम्मीद है कि इस संबंध में शीघ्र ही कार्रवाई होगी। श्री मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री जी को दिए गए ज्ञापन में श्रमिक बस्ती के आवासों में रहने वाले लोगों को उनके आवासों का मालिकाना अधिकार देने की मांग प्रमुख है। ज्ञापन में कहा गया है कि पीएसी वालों ने श्रमिक बस्ती के सभी मैदानो, पार्कों और राजकीय श्रम हितकारी केंद्र पर अवैध कब्जा कर लिया है। जिससे लोगों का खुली हवा में सांस लेना दुश्वार हो गया है। अतः श्रमिक बस्ती, नैनी से पीएसी कैंप को तत्काल हटाया जाए। समिति के अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद ने कहा कि श्रमिक बस्ती की 28 बीघा जमीन पीएसी को दे दी गई है। कॉलोनी वालों के लिए कितनी जमीन बची है? जानने के लिए उप श्रम आयुक्त प्रयागराज को ज्ञापन दिए जाने की तैयारी चल रही है। कार्यक्रम में सर्वश्री श्याम सिंह, नंदकिशोर मिश्र, अजमत हुसैन, शिशु त्रिपाठी, सत्येंद्र यादव, भूपेंद्र राय, शिव करन सिंह,लक्ष्मी नारायण गोपाल जी, श्रीमती अरूणा पांडे, संतुष्टतम शुक्ला, उमेश कुमार, शुभम तिवारी आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत अधिकारी जिला कार्यकारिणी का गठन संपन्न

सोरांव। रविवार को ग्राम पंचायत अधिकारी संघ शाखा प्रयागराज के नवगठित जिला कार्यकारिणी का गठन विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। जिसके निर्वाचन अधिकारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत मऊआइमा राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में किया गया। जिसमें सर्व उपस्थित सभी सचिवों को जिम्मेदारी दी गई। जिसमें जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार, महामंत्री अंकित मौर्य, दयाराम पटेल प्रांतीय प्रतिनिधि, गौरी शंकर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉक्टर गामा यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपेश सिंह उपाध्यक्ष यमुनापार, संतोष सिंह तथा लवलेश पांडेय को उपाध्यक्ष गंगापार, शैलेश यादव कोषाध्यक्ष, अनुराधा यादव संगठन मंत्री, दिनेश पटेल संयुक्त मंत्री, इंद्र विजय यादव ऑडिटर, ललिता यादव मीडिया प्रभारी, डॉक्टर राकेश कुमार उपाध्यक्ष, मुकेश मौर्य आमंत्रित सदस्य संग श्रेया राय को आमंत्रित सदस्य के रूप में जिम्मेदारी मिली। वहीं सभी नवगठित कार्यकारी के सदस्यों को अपने-अपने कार्य की जिम्मेदारी को बाखूबी निर्वाहन करने की भी अपील किया गया। उक्त जानकारी ब्लॉक सोरांव में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी अंकित मौर्य ने दी है।

पूर्व शहर काजी सुपुर्दे खाक जनाजे में उमड़ी भीड़

प्रयागराज। प्रयागराज के पूर्व शहर काजी मौलाना मुफ़्ती कारी सैयद मकबूल हुसैन हबीबी कादरी को शनिवार देर रात सुपुर्दे खाक किया गया। साबिक काजी-ए-शहर का लंबी बीमारी के बाद इंतकाल हो गया था। देर रात जनाजे की नमाज चौक जामा मस्जिद में अदा की गई। जनाजे की नमाज में हजारों की भीड़ उमड़ी। पूर्व काजी-ए-शहर के जनाजे को कंधा देने के लिए हजारों का मजमा जुटा। कारी मकबूल करीब 50 साल तक शहर काजी रहे। उन्हें हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक कहा जाता था।जनाजे की नमाज के बाद भीड़ इतनी हो गई कि पुराने शहर के कई रास्तों को बंद करना पड़ा। उन्हें आखिरी विदाई देने वालों की लाइन लगी रही। चौक जामा मस्जिद से लेकर कोतवाली, सेवई मंडी,

नखासकोहना, रोशनबाग, नूरुल्ला रोड, करेली तक भीड़ चलती रही। देर रात उन्हें रसूलपुर कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पूर्व शहर काजी को खलीफा-ए-हुजूर, मुजाहिद-ए-मिल्लत,यादगार-ए-अस्लाफ, अहल-ए-सुन्नत के तौर पर याद किया जाता रहा। कारी मकबूल को अंतिम विदाई देने के लिए महिलाएं भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। उनके इंतकाल के बाद चौक का बाजार बंद कर दिया गया था। हिंदू-मुस्लिम समेत सभी समुदायों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

पत्रकार विकास परिषद भारत के प्रदेश सचिव का नैनी में हुआ स्वागत

नैनी। नैनी में पत्रकार विकास परिषद भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के प्रदेश सचिव वरुण मिश्र का आगमन नैनी में हुआ पत्रकार विकास परिषद भारत के राष्ट्रीय महासचिव डीके मिश्र के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय प्रभारी संदीप सिंह, मंडल प्रभारी आशीष मिश्र, संरक्षक द्वारिका प्रसाद तिवारी, के द्वारा नैनी छिवकी स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया।

महाकुंभ-2025 से पहले प्रयागराज को मिलेगा नया सांस्कृतिक केंद्र

महापौर ने कहा-ब्रह्मा जी और वाल्मीकि जी की प्रतिमा बनेंगी आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज। प्रयागराज में नैनी के अरैल में महाकुंभ योजना के तहत ब्रह्मा जी और वाल्मीकि जी की विशाल प्रतिमाओं का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 21 सितंबर को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने इस प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों से बातचीत कर समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।महापौर गणेश केशरवानी ने बताया कि प्रयागराज की सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने के लिए ब्रह्मा जी और वाल्मीकि जी की प्रतिमाएं न केवल तीर्थयात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगी। बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करेंगी। महाकुंभ 2025 से पहले इन प्रतिमाओं का निर्माण पूरा हो जाएगा। इनके आसपास बैठने की सुविधाएं और सायंकालीन लाइटिंग और साउंड शो जैसी आकर्षक व्यवस्थाएं की

जाएगी। महापौर ने कहा कि 2.24 लाख की लागत से ब्रह्मा जी की प्रतिमा और 2.67 लाख की लागत से वाल्मीकि जी की प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। ब्रह्मा जी की प्रतिमा अरैल रोड पर शिवालय पार्क के पास और वाल्मीकि जी की प्रतिमा नैनी लेप्रोसी चौराहा से अरैल जाने वाले मार्ग पर स्थापित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार, जेई आरके मिश्रा और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा समग्र द्वारा विश्व नदी दिवस पर लिया गया संकल्प

प्रयागराज। प्रयागराज में मां गंगा के किनारे छुहारा हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री कृष्ण दाधिकांधो उत्सव कमेटी के उत्सव प्रेमियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन हुआ इस सम्मान समारोह का आयोजन अध्यक्ष, श्रीकृष्णा दधिकंधों उत्सव कमेटी, रसूलाबाद तेलियरगंज, प्रयागराज एवं संयोजक, गंगा समग्र काशी प्रांत राकेश मिश्रा द्वारा आयोजित किया गया। सम्मान समारोह के बाद इस अवसर पर आज विश्व नदी दिवस के उपलक्ष में राकेश मिश्रा द्वारा उपस्थित सभी को नदी की अविरलता एवं निर्मलता हेतु एक संकल्प की शपथ दिलाई गई। राकेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस वर्ष हम सभी सब के लिए जल की थीम पर विश्व नदी दिवस मना रहे हैं जबकि आज के समय में नदियों की अविरलता निर्मलता में सबसे प्रमुख बाधक हमारा प्लास्टिक है।जो हमारी नदियों को सबसे अधिक प्रदूषित कर रहा है और नदियों के प्रवाह को रोक रहा है। गंगा समग्र प्रयाग उत्तर के संयोजक डॉक्टर श्रवण कुमार मिश्र ने विश्व नदी दिवस के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सितंबर माह के चौथे रविवार को विश्व नदी दिवस के रूप में मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य सभी नदियों को संरक्षित करने का रहा क्योंकि जल ही जीवन है के मीठे जल के स्रोत में मुख्य रूप से हमारी नदियां ही हैं । इस अवसर पर स्थानीय पार्षद मुकुंद तिवारी, हीरालाल कुशवाहा, अवध नारायण मिश्र, लव कुश कुशवाहा, संजय कुशवाहा, दीपक मिश्र, अजय निषाद, सहित गंगा समग्र प्रयाग उत्तर के पर्व प्रमुख डॉ अंशुमान भी उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर संविधान महोत्सव-2024 का आयोजन 26 नवम्बर को

प्रयागराज। देश में हो रहे दलित अत्याचारों और भेदभाव के खिलाफ जिलेभर से महिला, दलित, आदिवासी एवं अन्य समुदाय के लोग 15 अगस्त को सिविल लाइन स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण हेतु अपनी एकजुटता दिखाते हुए भेदभाव छुआछूत मुक्त भारत के निर्माण के लिये महिलाओ के सम्मान में एकदिवसीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया था। देश भेदभाव छुआछूत से मुक्त हों, समाज में न्याय, समता, बंधुता व स्वतंत्रता के मूल्यों का वातावरण स्थापित करने के लिये इस वर्ष भी संविधान दिवस 26 नवम्बर को सिविल लाइंस स्थित धारना प्रदर्शन स्थल पर एकदिवसीय संविधान महोत्सव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। संविधान महोत्सव में आये हुये सभी लोगो से एक शपथ भी दिलाया जाएगा। देश में जातिवादी सोच मिटाकर, समतामूलक समाज का निर्माण करने का काम करेंगे। भेदभाव छुआछूत की इस साझी लड़ाई को डा. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (दान) की अगुवाई में पूरे प्रयागराज में 15 अगस्त से लेकर संविधान दिवस 26 नवम्बर की पूर्व संध्या 25 दिसम्बर तक महिलाओं के

जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीय करण के लिये डान कर रहा है बहुजनो को संगठित

नेतृत्व में एक अभियान के तहत प्रयागराज के प्रत्येक गांवों में जाया जा रहा है। इस सौ दिवसीय अभियान को आगामी 26 नवम्बर को सिविल लाइंस स्थित धरना प्रदर्शन स्थल पर आयोजित संविधान महोत्सव में जिलेभर से करीब हजारों लोगों की संख्या में भूमिहीनों के शामिल होने की संभावना है। डान के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि हम अधिकारों को लेकर अपनी जिंदगी कैसे जिए यह हमें तय करना है। समतामूलक समाज के खिलाफ जो व्यवस्थाएं हैं उसे हमें त्यागना होगा। समाज में भेदभाव खत्म तभी होगा जब इसकी शुरूआत स्वयं से करेंगे। एक ओर जहां देश अपनी आजादी का 75वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया है तो वही दूसरी ओर देश के प्रधानमंत्री का आह्वान सबका साथ सबका विकास का स्लोगन खोखला सावित हो रहा है क्योंकि वर्तमान में केन्द्र में भाजपा के नेतृत्व में दूसरा कार्यकाल की सरकार चल रही है। भाजपा के नेतृत्व में चल रही इस सरकार द्वारा विकास के जितने वादे किये गए सब खोखले सावित हो रहे है तो वही बहुजन समाज के तहत आनेवाली अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों में लोगों का जीवन यापन बद से बदतर हो गयी है। यदा कदा जहां जहां सरकर विरोधी आंदोलन शुरू भी हुये तो ऐसे लोगों का मुंह बंद करने के लिये सरकार ने या तो झुनझुना या लालीपाप पकड़ाने का काम की है। बैठक में सूरज, अशोक, प्रेमपाल, सत्येन्द्र कुमार, पवन कुमार, नवल, अनुज, शिवम, पुष्पेन्द्र, रीता चौधरी, दान कली, वंदना, संजू, सुनीता, पुष्पा, रामकली के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

नैनी की सृष्टि अग्रवाल का चयन हुआ कजाकिस्तान हैंडबॉल टीम में

नैनी। नैनी कजाकिस्तान में आयोजित होने वाली 7 एशिया लीग महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम में प्रयागराज हैंडबॉल संघ की खिलाड़ी नैनी की सृष्टि अग्रवाल का चयन हुआ है सृष्टि अगरवाल वर्तमान समय में भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं तथा भारतीय रेलवे के लिए हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में प्रतिभा करती है सृष्टि अग्रवाल ने भारतीय रेलवे वी उत्तर प्रदेश टीम की तरफ से कई राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभा कर कई पदक प्राप्त किए हैं उक्त संबंध में सूचना उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के महासचिव व उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडे ने जिला हैंडबॉल संघ के सचिव कौशल कुमार दीक्षित को दी उक्त अवसर पर प्रयागराज नगर निगम के महापौर गणेश केसरवानी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार उपक्रीड़ा अधिकारी देवी प्रसाद व डीके मिश्रा बद्रीनाथ दीक्षित डायरेक्टर अपेक्स एजुकेशन सोसाइटी, योगराज मिश्रा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश बाल बैडमिंटन संघ , मुरारी लाल अग्रवाल सामाजिक कार्यकर्ता सीमा यादव सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र मिश्रा शारीरिक शिक्षक हैण्बाल के अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शेखर सिंह परिहार, सचिन रावत, सोनम सिंह, तेजस्विनी सिंह, अमनदीप सिंह, व प्रांजल सिंह अवधेश झा, अभिषेक गुप्ता, विनय पांडे, विनय मिश्रा, कृष्ण कुमार चौबे, अखिलेश कुमार वर्मा (सभी शारीरिक शिक्षक) संकेत मिश्रा, राजकुमार सिंह, आर्यन सिंह, रामबहादुर सिंह अनुपम सिंह, अतुल सिंह, गोविन्द कुमार निषाद (कोच) आदि ने शुभकामनाएं दी। वहीं क्षेत्रीय किरण अधिकारी द्वारा बताया गया कि हैंडबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय खेल कार्यालय मदन मोहन प्रयागराज द्वारा जिला हैंडबॉल संघ प्रयागराज व नैनी हैंडबॉल ग्राउंड को यथासंभव सहयोग कर हैंडबॉल खेल को आगे बढ़ने का काम किया जाएगा।

प्रतापगढ़ संदेश

रामपुर खास में भी विकास तेज करने का प्रयास करुंगा: सांसद

क्षेत्रीय दौरे के दूसरे दिन रामपुर खास में थे सपा सांसद

अखंड भारत संदेश

क्षेत्र भ्रमण के दौरान सांसद डा0 एसपी पटेल।

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ शिवपाल सिंह पटेल अपने भ्रमण के दूसरे दिन रामपुर खास में लोगों का दुख दर्द पूछने पहुंचे। उन्होंने गांव-गांव में घूमकर लोगों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का आश्वासन देते हुए कहा कि अब रामपुर खास में भी विकास की योजना हमारे प्रयास से अवश्य मिलेंगी।

इसमें कोई भेदभाव नहीं होगा। बता दें कि सांसद ने रविवार को रामपुर खास का दौरा किया जहां पर लोगों की जन समस्या सुनी और रामपुर खास में स्थानी लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मोठील जलेसरगंज में मार्ग सत्य जीवन ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में कहा कि जो प्यार व स्नेह इस क्षेत्र से मिला है, उसको ब्याज सहित लौटाऊंगा। उन्होनें कहा कि इस तरह के कार्य अब आपके विधानसभा रामपुर खास में होंगे।

रामपुर के ग्राम बिलह हारूपपुर पूर्व में सड़क दुर्घटना में कन्हैयालाल तथा आशीष की अकस्मात मृत्यु होने पर उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर रामपुर बावली में आजम, समीम के आवास पर पहुंच कर लोगों की जन समस्याएं सुनी। इस मौके पर लालजी पटेल व राम सरोज के तेरही में भी सम्मिलित हुए। इस मौके पर जितेंद्र सिंह, बीएल वर्मा, विरू पासी, अंकित मिश्रा, राहुल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

ग्राम समाज की भूमि को कब्जा से नही कराया गया मुक्त

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रदेश की योगी सरकार जहा ग्राम समाज की भूमि व तालाबों पर भू माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जों को खाली कराने का निर्देश दे रही है तो वही दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश को दर किनारे करते हुए जिम्मेदार अधिकारी अपने कार्य से पीछे हट रहे है जिसका नजारा इन दिनों जनपद के कुंडा तहसील के ग्राम लोदीपुर पट्टी बिहार में देखने को मिल रहा है जहां उक्त गांव निवासी घनश्याम तिवारी गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा की शिकायत जिलाधिकारी से किया जिसमे आरक्षित भूमि तालाब व ग्राम पंचायत की भूमि पर अवैध रूप से भू माफियाओं द्वारा कब्जा कर निर्माण करा लिया गया है। मामला दो साल से अधिकारियों की उदासीनता के चलते लंबित पड़ा है जिससे भू माफियाओं के हौसले बुलंद है।

144 बच्चों का दो समूह ऐतिहासिक स्थल के भ्रमण को रवाना

अखंड भारत संदेश

ऐतिहासिक स्थल के भ्रमण को लेकर रवाना होतीं छात्राएं।

परियावां, प्रतापगढ़। विकास खंड कालाकांकर के अंतर्गत जनता इण्टर कालेज, आलापुर, कालाकांकर के बच्चों व शिक्षकों का दो समूह शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत कई ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया। 44 बच्चों व शिक्षकों का एक समूह अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में चित्रकूट, मध्यप्रदेश के हनुमान धारा, सती अनुसुइया, गुप्त गोदावरी, कामता नाथ जी का भ्रमण कर वहां के धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व को समझा व देखा। दुर्गविजय सिंह के नेतृत्व में 100 बच्चों व शिक्षकों का दूसरा समूह आगरा, मथुरा, वृन्दावन आदि धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का तीन दिवसीय भ्रमण कर देखा व समझा। शिक्षकों के समूह में मिलन तिवारी, अर्पणा केसरवानी, रैंसी अग्रहरि, निधि यादव, संजीव तिवारी, विपिन तिवारी,रामसखा पाण्डेय सहित कई शिक्षक कर्मचारी सम्मलित रहे। नन्दलाल तिवारी ने भ्रमण के लिए निकले बच्चो व शिक्षको को अपनी शुभकामनाएं दिया और कहा कि बच्चो को ऐतिहासिक स्थलों व धार्मिक स्थलों का भ्रमण करने से उनके अंदर ईश्वर के प्रति भावना जागृत होती है। बच्चो के दोनो समूह के शिक्षक धार्मिक स्थलों के बारे में बच्चो को विधिवत जानकारी भी दे रहे है जिससे बच्चे लोग काफी खुश दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस परिवारों को सफाई रखने के प्रति किया गया जागरुक

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत चल रहा सफाई अभियान

अखंड भारत संदेश

पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान करतीं पुलिस कर्मी

प्रतापगढ़। स्वच्छ तन में स्वच्छ मन का वास होता है लेकिन जब आपके घर के आसपास गंदगी और कूड़ा होगा तो न आपका मन स्वच्छ होगा और बीमारियों से तन भी स्वस्थ नहीं रहेगा। फिर बीमार तन और खराब मन को लेकर आप पुलिस जैसी नौकरी में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी नहीं निभा पाएंगे।

इसी का ख्याल रखते हुए पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार के निर्देशन एवं वामा सारथी संस्था की पहल पर रविवार को पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। रविवार सुबह सात बजे से शुरु हुए अभियान में पुलिस लाइन में रहने वाले परिवारों ने पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर श्रमदान किया। परिसर में जमा कूड़े व गंदगी के ढेर को साफ किया गया। वामा सारथी संस्था की अध्यक्ष दीपशिखा की पहल पर चले स्वच्छता अभियान में प्रत्येक घर को दो-दो डस्टबिन भी बांटे गये, जिसमें सूखा एवं गीला कूड़ा रखा जाएगा। इस कूड़े को घर-घर से कलेक्ट करने की भी व्यवस्था की गई। जिसके तहत एक गाड़ी आएगी और आपकी डस्टबिन से कूड़ा लेकर जाएगी। बस हर घर को करना इतना है कि डस्टबिन को दरवाजे पर रख दें। इसके बाद यह कूड़ा गाड़ी नगर पंचायत के कूड़ा घर में इस कूड़े कचरे को डाल आएगी। धीमे-धीमे पूरा परिसर कूड़ा मुक्त और स्वच्छता युक्त हो जाएगा। पुलिस परिवारों के लिये वेलफेयर का काम करने वाली संस्था का स्वच्छता अभियान चलाने का उद्देश्य पुलिस कर्मचारियों और उनके परिवारों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना कि एक स्वच्छ वातावरण बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करता है। एक साफ-सुथरा वातावरण कर्मचारियों की कार्यकुशलता को बढ़ाता है। एक स्वच्छ पुलिस लाइन और आवासीय परिसर पुलिस विभाग की सकारात्मक छवि बनाने में मदद करता है। परिसर की गहन सफाई, इमारतों, सड़कों, पार्कों और अन्य खुले क्षेत्रों की गहन सफाई, कूड़ा प्रबंधन कूड़ेदानों की नियमित सफाई और कूड़े का निस्तारण नालियों की सफाई नालियों को जाम होने से रोकने के लिए नियमित सफाई के लिये जागरूक किया गया। स्वच्छता अभियान में क्षेत्राधिकारी लाइन करिश्मा गुप्ता, प्रतिसार निरीक्षक एवं सभी पुलिस परिवारों के सदस्यों उपस्थित रहकर श्रमदान किया।

युवा एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन टीम द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र के गौरा माफी से भीखमपुर होते हुए आसपुर देवसरा को जाने वाली मुख्य सड़क पर आधी सड़क तक कटीली झाड़ियां हो गई थी। जिससे यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन सड़क विभाग जानकर भी अंजान बना हुआ था। राहगीरों की समस्या और जनहित की परेशानी को देखते हुए युवा एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन की टीम द्वारा बड़ा सराहनीय कार्य किया गया। गौरामाफी से भीखमपुर होते हुए आसपुर देवसरा को जाने वाली सड़क पर बाबूल की कटीली झाड़ियों की साफ-सफाई की गई और लोगों को आवागमन में आ रही परेशानी को दूर किया। युवा एंटी करप्शन ऑर्गेनाइजेशन टीम के सराहनीय कार्य की प्रशंसा कर रहे हैं।

आज विविध कार्यक्रमों में शामिल होगे प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्य सभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी आज सोमवार को रामपुर खास के विधान सभा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर आयेंगे। वह अपरान्ह दो बजे बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन करेंगे। उसके बाद सस्कृत विद्वान हरिहर पाल तिवारी की स्मृति में राजातार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगे। वही राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी अपरान्ह ढाई बजे लालगंज कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात व जनसमस्याओं की सुनवाई करेगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ला ने दी है।

बाबा भयहरणनाथ धाम में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर एक को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन बाबा भयहरणनाथ धाम में राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय छितपालगढ द्वारा भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के सहयोग से मासिक आयुष चिकित्सा शिविर डा0 अवनीश पाण्डेय के संयोजन में एक अक्टूबर को सुबह नौ बजे से 12 बजे तक श्री राम मन्दिर के सामने मुख्य मन्दिर परिसर के पास होगा। यह जानकारी देते हुए महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि इस अवसर पर सभी प्रकार के सामान्य व जटिल रोगों के सन्दर्भ में चिकित्सक व तकनीकी दल द्वारा परामर्श व परीक्षण प्राप्त हो सकेगा और औषधि का निशुल्क वितरण भी होगा।

वस्त्रदान अभियान समाज सेवा और मानवीय मूल्यों की मिसाल

वाओ एजुकेशन व संवेदना महिला उत्थान समिति ने किया वस्त्र दान

अखंड भारत संदेश

वस्त्रदान अभियान में मौजूद आयोजकगण।

प्रतापगढ़। वाओ एजुकेशन, अमेठी रोड, चैरा और संवेदना महिला उत्थान समिति के संयुक्त प्रयास से रविवार को वस्त्र दान अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक जरूरतमंद लोगों को कपड़े वितरित किए गए। यह अभियान समाज सेवा और मानवीय मूल्यों की मिसाल बनकर सामने आया। छात्रों और समाज के योगदान से यह एक अद्वितीय सामाजिक पहल बनी।

वाओ एजुकेशन की निदेशक उपहार लता श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं है, बल्कि छात्रों को समाज के प्रति उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों से भी परिचित कराना है। संवेदना महिला उत्थान समिति की अध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा मिशन समाज के हर उस व्यक्ति तक पहुंचना है जो किसी न किसी प्रकार की सहायता का पात्र है। यह अभियान हमें यह याद दिलाता है कि जब हम संगठित होकर कार्य करते हैं, तो हम किसी के जीवन में कितनी गहराई से सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। वाओ एजुकेशन के साथ मिलकर यह पहल समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का साक्षात प्रमाण है। इस आयोजन में रचना सक्सेना और समिति के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति ने इसे और भी सार्थक बना दिया। अभियान की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से वाओ एजुकेशन के छात्रों को जाता है। स्कूल की कैप्टन कुमारी अंशिका सिंह, वाइस कैप्टन कुमारी अन्वी पांडे, सीनियर प्रीफेक्ट कुमारी आकृति यादव, और स्कूल स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों ने मिलकर कपड़े एकत्रित किए और उन्हें व्यवस्थित रूप से जरूरतमंदों तक पहुंचाया। छात्रों ने न केवल अपने घरों से कपड़े दान किए, बल्कि अपने दोस्तों, परिवार और पड़ोसियों से भी कपड़े एकत्र किए।

संत निरंकारी मिशन मानवता की मिसाल: अनीता वाधवा

संत निरंकारी महिला समागम में मौजूद बहनें।

अखंड भारत संदेश

जोनल स्तरीय संत निरंकारी महिला समागम संपन्न

प्रतापगढ़। संत निरंकारी मण्डल दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित संत निरंकारी महिला समागम निरंकारी सत्संग भवन अजीत नगर में दिल्ली से चलकर आयी केंद्रीय प्रचारक बहन अनीता वाधवा की पावन हुजूरी में संम्पन्न हुआ। उपरोक्त महिला संत समागम में अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, बाराबंकी, सीतापुर, और लखनऊ से चलकर आई लगभग 3000 बहनो ने प्रतिभाग किया।

सत्संग कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बहन अनीता वाधवा ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सत्संग के माध्यम से हमारी बहनों को हमारा सतगुरु ब्रह्मज्ञान देकर के समाज में ऊंचा स्थान दिया है.। निरंकारी मिशन मानवता की मिशाल है। हमारा सतगुरु निरंकारी माता सुदीक्षा महराज महिला सत्संग के माध्यम से आज मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश की है। सदगुरु माताजी ब्रह्मज्ञान देकर एक की पहचान करवा दी है.और पूरे विश्व को एक सूत्र में बांधना चाहती हैं, ताकि दुनिया के लोगों में मानवता भाईचारा विश्वबंधुत्व, वसुधैव कुटुंबकम की भावनाये स्थापित हो सके और अपने मूल की पहचान कर इंसान सही रास्ते पर चल सके। समागम में सेवादल के जवानों ने व सेवादल की बहनो ने पूरी जिम्मेदारी से और बहुत ही सुन्दर ढंग से अपनी-अपनी सेवाएं निभाई। संगत का संचालन बहन प्रीति केसरवानी ने किया। सभी बहनों का आभार बहन फूल कली ने व्यक्त किया। संगत में लंगर प्रसाद की भी व्यवस्था करवायी गयी। सम्पूर्ण महिला समागम संयोजक राधेश्याम मौर्य की अगुआई में मर्यादा पूर्ण ढंग से संम्पन्न हुआ।

हाथ जोड़कर विनय हमारी, हो जाय सब शाकाहारी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर, नवाबगंज, परियावां, अंसारगंज, अस्थान, लवाना, कंधेरुवा कुसुवापुर व रेवली ऐठू क्षेत्र भ्रमण के दौरान रविवार को बाबा जयगुरूदेव के शिष्यों ने व्यापक रूप से प्रसार प्रचार किया कि बीमारी को भगाना हो तो शुद्ध शाकाहारी व्यंजन खाओ, नहीं तो भयंकर बीमारी की चपेट में आ जाओगे। बाबा जयगुरूदेव का फरमान सुनाते हुए आगे बढ़ रहे थे जिसमें बच्चे महिलाएं बुजुर्ग सभी दो तीन व चार पहिया के वाहन में सवार थे। सभी नारा लगाते रहे कि यदि शाकाहारी नहीं बनोगे तो भयंकर बीमारी की चपेट में आकर बड़ी बड़ी बिल्डिंग को छोड़कर दुनिया से चले जाओगे इसलिए सभी से शुद्ध शाकाहारी भोजन करने की अपील किया।

मवेशी बचाने में विद्युत पोल से टकराई बाइक, युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मवेशी को बचाने में अनियंत्रित बाइक के विद्युत पोल के टक्करा जाने से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। सीएचसी में परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मचा। अंतू थाना क्षेत्र के लोहंगी गांव निवासी (19) वर्षीय शिव कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र शनिवार की रात करीब दस बजे सांगीपुर बाजार से घर जा रहा था। रास्ते में शाहबरी गांव के पास अचानक सड़क पर मौजूद मवेशी को बचाने में बाइक अनियत्रित होकर सड़क किनारे विद्युत पोल से टक्करा गई। जिसे युवक गम्भीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे पड़ा रहा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस उसे इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी ले आई। यहाँ चिकित्सकों ने शिवकुमार को मृत घोषित कर दिया। मृतक की जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जायेगी।

हिन्दी को शाश्वत जीवन शैली के रूप में अपनाना जरुरी: डॉ0 रत्न

सृजना साहित्यिक संस्था द्वारा हुई काव्य गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

काव्य गोष्ठी में बोलते वरिष्ठ साहित्यकार दयाराम मौर्य रत्न।

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़े के अन्तर्गत काव्य गोष्ठी एवं विमर्श कार्यक्रम का आयोजन शारदा संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि हिन्दी विश्व की सर्वाधिक समृद्ध भाषा है।इसे शाश्वत जीवनशैली के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अम्मा साहब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनंद मोहन ओझा ने कहा कि हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमित शुक्ला ने कहा कि हिन्दी हर हिन्दुस्तानी के माथे की गौरवशाली बिंदी है। इसके प्रयोग पर गर्वानुभूति करें। विशिष्ट अतिथि राजीव कुमार आर्य ने कहा कि हिन्दी हिन्दुस्तान की पहचान और शान है। कार्यक्रम में प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम, अमरनाथ गुप्ता बेजोड़, कुंजबिहारी लाल मौर्य काकाश्री, अनिल कुमार निलय, राजेश हर्षपुरी, मनप्रीत कौर, सत्येन्द्र कुमार शुक्ला, अजीत ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम में हिन्दी को राजभाषा से राष्ट्रीय भाषा बनाने की पुरजोर मांग करते हुए संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार निलय ने किया।

शिशु गृह में बच्चों को बांटे गये उपहार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुष्प फाउंडेशन ट्रस्ट प्रतापगढ़ के संचालक अभिनव मौर्य के नेतृत्व में शिशु गृह शुकुलपूर में खाद्य सामग्री, वस्त्र एवं फल आदि वितरण किया गया, जिसे पाकर बच्चे बहुत खुश हो गए। सामाग्री देते हुए अभिनव मौर्य ने कहा कि बच्चों का सर्वागीण विकास हमारा लक्ष्य है। इस अवसर पर सुनील मौर्य, रमेश मौर्य सभासद, शशांक मौर्य, शुभम मौर्य, तुषार दत्त मिश्रा सभासद, राकेश पटेल सभासद आदि लोग उपस्थित थे।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। धान की फसल की सिंचाई करने गये युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के भोजपुर पूरे पंडित गांव निवासी (38) वर्षीय राजेश मिश्र उर्फ पप्पू रविवार की सुबह खेत पर धान की फसल की सिंचाई करने गये थे। यहां खेत में लगाये गये समरसेबल से जुड़े स्टार्टअप बटन में उतरे करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक खेती के साथ कर्मकाण्ड भी करता था। राजेश की मौत से उसके एक पुत्र व चार पुत्रियों के सिर से पिता का साया सदा के लिए उठ गया। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया गया है। तहरीर मिलने पर उचित कार्यवाई की जायेगी।

जंगली जंगली जानवर के हमले से महिला घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के आशापुर अठगांवा गांव की कमला देवी (55) पति काशीराम गोधूपट्टी गांव के समीप बाग में बकरी चराने के लिए सुबह गई थी। जंगल महीला के तरफ से आया एक जंगली जानवर महिला के ऊपर हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण पहुंची और परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने इलाज कर महिला को घर भेज दिया। वही जंगली जानवर के हमले से गांव दहशत का माहौल बना हुआ है।

गम्भीर बीमारी के चलते उपनिरीक्षक की मौत, कोहराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गम्भीर बीमारी वे चलते उपनिरीक्षक की मौत हो गयी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के ढेकहा जेवई निवासी (57) वर्षीय जगत पाल पुत्र पितई जैदपुर जिला बराबंकी में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात थे।

वह गम्भीर बीमारी से ग्रसित थे और चिकित्सकीय अवकाश लेकर यहां घर पर रहकर अपना इलाज करा रहे थे। परिजनों वे अनुसार शनिवार को उनकी हालत गम्भीर होने पर इलाज के लिए प्रयागराज ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही दारोगा की मौत हो गयी। मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

गैंगस्टर आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अपराध एवं आपराधिक क्रियाकलापों में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक अवन कुमार दीक्षित थाना कंधई के नेतृत्व में थाना कंधई पर तलाश वांछित वारण्टी, विवेचना के दौरान तिवारीपुर बगिया के पास से गैंगस्टर सद्दाम खान पुत्र अलेमान खान निवासी ग्राम राहटीकार कुरैशी का पुरवा थाना उदयपुर जनपद प्रतापगढ़ को 04 अदद देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से बरामदगी के आधार पर थाना कंधई पर अभियोग पंजीकृत किया गया।

जिला मुख्यालय में भाजपा पिछड़ा मोर्चा ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

पुतला दहन के दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि भारत को तोड़ने वाले समूह को मजबूत करने का काम करते हैं राहुल गांधी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला मुख्यालय मंझनपुर चौराहे पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष पुष्पराज पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका गया है इस मौके पर मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के महामंत्री संजय गुप्ता मौजूद रहे।इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूर्व में भी कई बार देश विरोधी तत्वों के साथ राहुल गांधी की बैठकों की सूचना आई थी यही नहीं चीन के साथ भी उनकी पार्टी का साठगांठ है जिसे मोटा फंड इन्होंने लिया है। आज जिस तरीके से विदेश में जाकर राहुल गांधी देश विरोधी प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं वह दिखता है कि वह भारत को तोड़ने वाले समूह को मजबूत करने का काम करते हैं। इस मौके पर दुर्गेश गुप्ता प्रतीक जायसवाल कमलेश पटेल अरुण सिंह सर्वेश सिंह शिव मोहन मौर्य सहित तमाम पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यमुना के कछारी इलाके में फसल की बुवाई करने वाले रोते हैं बाढ़ का रोना

बीते तीन दशक से बाढ़ के बहाने सरकारी मुआवजा हड़पने की इस योजना पर कब लगेगी रोक

कौशाम्बी। यमुना की तराई इलाके में कछार की जो जमीन यमुना नदी की संपत्ति होती है राजस्व अभिलेख में कछार की जमीन सरकारी है इन जमीनों पर तमाम लोग फसल की बुवाई कर पूरे साल फसल की बिक्री से लाखों की रकम अर्जित करते हैं बरसात के महीने में यमुना नदी में बाढ़ आने के बाद कछार की फसल नष्ट होने का रोना रो करके शासन से लेकर के प्रशासन तक की सहानुभूति लेते हैं और सहानभूति के आड़ में सरकार से फसल नुकसान का मुआवजा भी लेते हैं इस मामले में संबंधित क्षेत्र के लेखपाल की भूमिका भी सवालों के घेरे में होती है कि जब सरकारी जमीन पर इन्होंने फसल तैयार करने की कोशिश की तो सरकारी जमीन पर फसल तैयार करने के लिए इन्हें पूर्व से रोका क्यों नहीं गया है और यमुना के कछार के इलाके में बाढ़ आना स्वाभाविक है प्रकृति के नियम को परिवर्तित नहीं किया जा सकता है लेकिन उसके बाद भी यमुना के कछारी इलाके की सरकारी जमीन में बाढ़ से फसल की बबार्दी का रोना रो करके सरकार से मुआवजा लिए जाने की शुरू हुई यह प्रथा 30 वर्षों बाद भी नहीं बंद हो सकी है आखिर झूठे तरीके से सहानुभूति के साथ सरकारी मुआवजा लेने की इस प्रथा पर कब रोक लगेगी।

छिनैती राहजनी चोरी का सोना बेचने वाले गिरोह का समदा में लगता है जमावड़ा

अखंड भारत संदेश

प्रतिवर्ष करोड़ों का बिक जाता है छिनैती राहजनी चोरी का सोना चांदी पुलिस बनी अनजान

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के समदा चौराहे पर छिनैती राहजनी चोरी के सोना चांदी बेचने वाले गिरोह के सदस्यों का जमावड़ा लगता है समदा चौराहे के आसपास छिनैती राहजनी चोरी के सोना चांदी को गिरोह के सदस्यों द्वारा आधे कीमत पर बेच दिया जाता है छिनैती राहजनी चोरी के सोने चांदी को खरीदने का यह खेल बीते कई वर्षों से प्रतिदिन समदा चौराहे पर बेखौफ तरीके से हो रहा है लेकिन फिर भी वह नहीं मानते हैं सोना चांदी को खरीदने के बाद उसमें केमिकल तेजाब डालकर उसका स्वरूप नष्ट कर दिया जाता है इस काम में भी इन खरीदारों को महारत हासिल है उसी के आसपास पुलिस की डियूटी लगती है पूरे दिन पुलिस मौजूद रहती है छिनैती राहजनी चोरी का सामान बेचकर गिरोह के सदस्य चले जाते हैं और पुलिस को भनक तक नहीं लगती है। बीते दो दशक से कम कीमत देकर चोरों से छिनैती राहजनी चोरी का सोना चांदी खरीदने वाले लोगों के हौसले इस कदर बुलंद है कि अब उन्हें तनिक भी पुलिस का भय नहीं लगता है सूत्रों की माने तो प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपए कीमत का छिनैती राहजनी चोरी का सोना चांदी समदा चौराहा के आसपास धंधे से जुड़े दुकानों में बिक रहा है छिनैती राहजनी चोरी का सोना चांदी खरीद करके खरीदने वाले देखते-देखते धन्ना सेठ बन गए हैं लेकिन अभी पुलिस की नजर उन पर नहीं पहुंची है यदि पुलिस छिनैती राहजनी चोरी के सोना चांदी खरीदने वाले लोगों पर नजर लगाए तो कई बड़े चेहरे बेनकाब होंगे और कई चोर भी पकड़े जा सकते हैं जिससे चोरी छिनैती राहजनी की तमाम घटनाओं का खुलासा भी होगा लेकिन क्या छिनैती राहजनी चोरी का सोना चांदी खरीदने वाले लोगों को पुलिस बेनकाब कर पाएगी या फिर चोरी छिनैती राहजनी का सोना चांदी समदा में बेखौफ तरीके से खरीदा जाता रहेगा जिससे छिनैती राहजनी करने वाले चोरों को बल मिलता रहेगा और चोरी छिनैती राहजनी की घटनाएं होती रहेगी यदि चोरी छिनैती राहजनी का सोना चांदी खरीदने वालों को पुलिस बेनकाब कर दे तो चोरी छिनैती राहजनी की आधी घटनाओं पर विराम लग सकता है।

पढ़ने की उम्र में सरकारी योजनाओं की जिम्मेदारी देकर विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार

कौशाम्बी। स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न अभियान में विद्यालय के विद्यार्थियों को शामिल करके सरकार विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद कर रही है योजनाओं के प्रचार प्रसार और साफ सफाई को लेकर विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है स्वच्छता अभियान के बहाने इन दिनों विद्यालय में पढ़ाई व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है और शिक्षक केवल स्वच्छता अभियान की सफलता पर लगे हैं पूरे दिन मीटिंग और कार्यशाला का आयोजन किया जाता है और योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाता है शिक्षा ग्रहण करने के समय विद्यार्थी स्कूल की साफ सफाई करते हैं जिससे वह अच्छे अंक नहीं प्राप्त कर पाते हैं और पढ़ाई बाधित होने के चलते लाखों विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद हो रहा है चुनाव के समय विद्यालय के विद्यार्थियों से मतदान करने की अपील को लेकर के रैली निकाल करके मतदाताओं को जागरूक किया जाता है मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जाता है लेकिन सवाल उठता है कि जिन विद्यार्थियों के पढ़ने लिखने की उम्र है उन्हें मतदान करने का अधिकार नहीं है मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है तो उन्हें मतदाता रैली में प्रचार प्रसार के लिए शामिल कर सरकार और आधिकारी विद्यार्थियों की शिक्षा चौपट कर उन्हें बर्बाद करने में क्यों लगे हैं देश के लिए यह गंभीर सवाल है इन दिनों केंद्र सरकार के निर्देश पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से महात्मा गांधी के जन्मदिन तक स्वच्छता अभियान चलाए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है स्वच्छता अभियान में विद्यालय के विद्यार्थियों से साफ सफाई कराई जाती है प्लास्टिक एकत्रित कराया जाता है जिससे विद्यार्थियों का पढ़ाई से मन भटक जाता है उन्हें पढ़ाई में समय नहीं मिल पाता है और विद्यार्थियों की शिक्षा चौपट हो रही है आखिर इस योजना के तहत विद्यार्थियों से सरकारी योजनाओं का काम लिया जा रहा है उन्हें सरकारी योजनाओं में सहभागिता निभाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है विद्यार्थियों से योजनाओं के प्रचार प्रसार पर रोक लगानी होगी और विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने की खुली छूट देनी होगी विद्यालय में फीस जमा करने के बाद विद्यार्थी साफ सफाई करते देखे जाते हैं और जिन्हें सरकार मोटा वेतन देती है वह मौज मस्ती करते हैं आखिर वेतन लेने वाले लोग सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर साफ सफाई करें योजनाओं के प्रचार-प्रसार और साफ सफाई के बहाने विद्यार्थियों के भविष्य को बर्बाद करना सरकार बंद करे।

पेड़ भी काटा लाठी डंडे से पीटा भी पीड़ित का ही पुलिस ने कर दिया चालान

एक बार फिर लकड़ी माफियाओं से थाना पुलिस के रिश्ते हुए उजागर

महगांव कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहिद्दीनपुर गौस गांव में रविवार दोपहर हसीन अहमद वा शमीम अहमद पुत्र सगीर अहमद व सगीर अहमद ने लाईक अहमद पुत्र जुल्फिकार के आम के पेड़ को काट कर गिरा दिया और दूसरे पेड़ को काटने में लगे थे जिस पर पेड़ के मालिक लाईक ने देखा की उसका पेड़ काट रहे है। तो उसने इसका विरोध किया तो पेड़ कटवा रहे दबंगो ने उसे गाली गलौज करते हुए उसे लाठी डंडों से मारने पीटने लगे वा बंदूक लेकर जान से मारने की नीयत से दौड़ा लिया जिसकी सूचना संदीपन घाट थाना प्रभारी को दी गई शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करते हुए शान्ति भंग की कार्यवाही की है। अंधेर तो तब हो गया जब हरा फलदार पेड़ काटा गया पेड़ काटने वाले पर कार्रवाई नहीं हुई पेड़ मलिक को लाठी डंडे से पीटा गया तो हमलावरों पर कार्रवाई नहीं हुई उल्टा मार खाने वाले को ही पुलिस ने चालान कर दिया है जिससे एक बार फिर लकड़ी माफियाओं से थाना पुलिस के रिश्ते उजागर हुए हैं।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ में साहित्यकार प्रज्ञा शर्म गार्गी सम्मानित

हमें प्रताप नारायण मिश्र के नारे हिन्दी, हिन्दू , हिन्दुस्तान को हिन्दी साहित्य के माध्यम से परिपूर्ण करना है

कौशाम्बी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर आयोजित भव्य समारोह में कौशाम्बी की साहित्यकार प्रज्ञा शर्म को उनकी अनवरत साहित्य साधना हेतु, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ में भारत भाग्य विधाता सम्मान- 2024 से सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन आर्या पब्लिकेशन के संस्थापक एवं स्वर्णिम दर्पण पत्रिका के संपादक सौरभ पांडे द्वारा किया गया! उक्त समारोह के अवसर पर प्रज्ञा शर्म ने अपनी कविता जहां गुरु का मान हो ,वही भव पार होता है,,का सुंदर प्रस्तुतिकरण किया जिसे सुनकर श्रोताओं ने करतल ध्वनि से सराहना किया प्रज्ञा शर्मा अभी तक कई साझा संग्रह में प्रतिभाग कर चुकी हैं और सम्मान से सम्मानित हो चुकी है यह विशिष्ट सम्मान हिन्दी साहित्य संस्थान, लखनऊ की प्रधान सम्पादक डॉ. अमिता दुबे तथा वरिष्ठ साहित्यकार बाल मुकुंद द्विवेदी एवं सौरभ पांडे की पूज्य माता के हाथों प्राप्त कर प्रज्ञा शर्म को बेहद खुशी हुई!

इस अवसर पर विभिन्न सत्रों में पुस्तक विमोचन, कवि सम्मेलन तथा हिन्दी साहित्य विषय पर चर्चा, परिचर्चा का आयोजन भी किया गया समारोह में विभिन्न राज्यों से आये करीब 130 साहित्यकार, पत्रकार और शिक्षाविदों ने भाग लिया। राजधानी लखनऊ में राज्य स्तर पर कविता प्रतिस्पर्धी के रुप में भी प्रज्ञा शर्मा का नाम दर्ज.हैं और बहुत बार अलग-अलग संस्थाओं द्वारा सम्मानित है तथा अनेक स्थानों और समाचार पत्र पत्रिकाओं द्वारा सम्मान प्राप्त कर चुकी है। उन्होंने एम ए हिंदी से किया तथा अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें लिखना आठवीं कक्षा से पसंद था लेकिन कविता लिखने की इच्छाशक्ति अपने परिवार के साहित्य प्रेम के द्वारा मिली उनका कहना है जिस प्रकार पानी पौधे को सींचने का कार्य करता है उसी प्रकार बचपन से कवियों और साहित्यकारों के प्रेम ने उनकी काव्य कला को सींचने का कार्य किया है प्रज्ञा शर्मा कहती हैं लेखनी न केवल समाज को जागरूक करती है बल्कि खुद को भी अभिव्यक्त करती हैं हमें डिप्रेशन से बचने के लिए भी अपने विचारों को हमेशा लिखते रहना चाहिए वे अनवरत हिंदी साहित्य की सेवा करना चाहती है और उनका कहना है हमें प्रताप नारायण मिश्र के नारे हिन्दी,हिन्दू , हिन्दुस्तान को हिन्दी साहित्य के माध्यम से परिपूर्ण करना है।

विद्यार्थी परिषद ने दिया प्लास्टिक मुक्त का संदेश

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की गतिविधि स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट के कार्यकताओं ने प्रत्येक रविवार की तरह 22 सितंबर को भी मंझनपुर के डायट मैदान पार्क की सफाई की, संडे फार मंझनपुर कार्यक्रम के कार्य संयोजक कृष्णा श्रीवास्तव ने बताया कि एसएफडी का मुख्य उद्देश्य जल ,जंगल ,जन, जमीन, जानवरों को संरक्षित करने का है इसी क्रम में प्रत्येक रविवार को विद्यार्थी एक घंटे का अपना समय समाज कार्य में देते हैं।इस दौरान शिवांशु शुक्ला अभिराज सिंह, कृष्णा श्रीवास्तव, कृष विश्वकर्मा ,ऋषि पटेल शिवांशु शुक्ला रूपेश यादव, शनि, अभिषेक, दिव्यांश द्विवदी कमल पटेल अश्वनी सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाभी से मधुर संबंध के चलते महिला की पिटाई कर रहा पति

महगांव कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के लोहरा गांव की काजल देवी की शादी विगत तीन वर्ष पूर्व वीरेंद्र पुत्र बाबूलाल के साथ हुई थी।विगत वर्ष से वीरेन्द्र दहेज के रूपए की मांग करने लगा। विरोध करने पर मारपीट पर उतारू हो जाते है जिसमे वीरेंद्र की भाभी भी उसका सहयोग करती है काजल को कई बार मारपीट चुके हैं रविवार को काजल के पति ने उसे फिर बेरहमी से मारा पीटा जिससे उसके शरीर पर चोट आई है महिला ने मामले की सूचना मायके को दी मायके के लोग जब बेटी के घर पहुंचे तो उन्हें भी मारने पीटने का प्रयास किया गया है मायके के लोगो के साथ उसने थाना पहुँच कर संदीपन घाट थाना प्रभारी से शिकायत की है। काजल के दांपत्य जीवन में विवाद का मूल कारण उसके पति की भाभी है।

पत्रकार समाज के लिए होता है सच का आइना : डा. नीतू कनौजिया

न्यू प्रेस क्लब के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का किया भव्य स्वागत

कौशाम्बी। पत्रकार समाज को सही दिशा तो देता ही है साथ साथ वह सच का आइना भी होता है। उक्त बातें डा. नीतू कनौजिया ने रविवार को न्यू प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कही पिछले रविवार को मंझनपुर मुख्यालय में न्यू प्रेस क्लब संगठन का चुनाव सम्पन्न हुआ था। जिसमें अध्यक्ष पद पर विमलेश कुमार शुक्ला व महामंत्री पद पर सुधीर कश्यप उपाध्यक्ष पद पर सतीश नामदेव, कोषाध्यक्ष पद संजीत सिंह, संगठन मंत्री पद पर दीपू श्रीवास्तव, आय व्यय निरीक्षक में ध्यान सिंह यादव सचिव पद पर अमित शुक्ल विजयी हुए थे। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का डा. नीतू कनौजिया द्वारा रविवार को भव्य स्वागत करते हुए जहां उनके उच्चवल भविष्य की कामना किया वहीं उन्हें मिष्ठान के अलावा अंग वस्त्र प पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में बोलते हुए डा. नीतू कनौजिया ने कहा कि पत्रकार हमेशा दूसरों की लड़ाई लड़ता है, साथ ही पत्रकार समाज को अपनी कलम की ताकत से नई दिशा भी देता है, यही वजह है कि पत्रकार समाज को सच का आइना कहा जाता है। उन्होंन कहा कि पत्रकारिता सरल कार्य नहीं है मै सभी पत्रकारों को धन्यवाद करती हूं। इस मौके पर सगठन के अध्यक्ष विमलेश शुक्ल ने कहा कि हम सभी पत्रकार समाज के लिए काम करते हैं। इस मौके पर सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी मौजूद रहे।

रोचक कुश्ती देखने के लिए उमड़ी भीड़ चैंपियन विजेता बने आकाश तिवारी

गुलामीपुर कौशाम्बी हर साल की भांति इस साल भी सिराथू तहसील के गनपा गांव में स्व, फुल लाल तिवारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मेमोरियल इनामी दंगल का आयोजन रविवार को किया गया इस दंगल मैदान में जिले के साथ-साथ प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की भी महिला और पुरुष पहलवानों ने हिस्सा लिया कई कुश्ती बड़ी रोचक हुई जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही दर्शक दीर्घा में बैठे लोग बार-बार ताली बजाकर पहलवानो का हौसला बढ़ा रहे थे आखरी में कुश्ती चैंपियन का आयोजन झांसी के पहलवान अंकित और बरौली के पहलवान आकाश तिवारी के बीच में जोरदार कुश्ती हुई दोनों पहलवान एक दूसरे से कम नहीं दिखाई पड़ रहे थे अंत मे चैंपियन विजेता आकाश तिवारी बरौली हुए मेला आयोजकों द्वारा विजई पहलवानों को पुरस्कार देकर के उनका हौसला बढ़ाया गया है दंगल कुश्ती मेला आयोजन में आयोजक कमलेश सिंह सेंगर ग्राम प्रधान शिवाकांत मौर्य नवदीप तिवारी रूपेश त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

ईडी से जांच कराई गई तो डॉक्टर का चेहरा होगा बेनकाब

अखंड भारत संदेश

सैकड़ो करोड़ की बेनामी संपत्ति एकत्रित करने वाले डॉक्टर एन्ड कम्पनी ने जमाया कौशाम्बी में डेरा

कौशाम्बी। 20 वर्षों के समय में सैकड़ो करोड़ की अकूत बेनामी संपत्ति अर्जित करने वाले एक डॉक्टर के कारनामे पर भारत सरकार ने ईडी से जांच कराई तो डॉक्टर का चेहरा बेनकाब होगा बीते 20 वर्षो से कौशाम्बी क्षेत्र के मरीजो का पड़ोसी जनपद इलाहाबाद में इलाज करने के बाद सैकड़ो करोड़ की बेनामी संपत्ति एकत्रित करने वाले एक डॉक्टर ने कौशांबी की धरती में भी अपना डेरा जमा लिया है डॉक्टर का कौशांबी में अस्पताल खुल गया है और मरीज के इलाज के नाम पर उनका खून चूसा जा रहा है अब तो एक चर्चित महिला के सहारे कौशाम्बी के मरीजो के बीच में अपनी पकड़ और मजबूत बनाने की कोशिश डॉक्टर एन्ड कम्पनी ने तेजी से शुरू कर दी है। बीते 20 वर्ष से मरीजो को हलाल का बकरा समझने वाले इस डॉक्टर ने कुछ महीने से कौशाम्बी के मरीजो के सामने चारा फेकना शुरू कर दिया है बीते तीन महीने से कौशाम्बी के प्रमुख मार्ग में मरीजो को झुनझुना रूपी लॉलीपॉप देकर उन्हें लूटने की बड़ी योजना डॉक्टर एन्ड कम्पनी ने बनाई है। कौशाम्बी में अस्पताल खोल कर मरीजो को झुनझुना रूपी लॉलीपॉप देकर उन्हें लूटने की बड़ी योजना इस चर्चित डॉक्टर एन्ड कम्पनी ने तीन महीने पहले बनाई है बहुरुपिए डॉक्टर की कुत्सित चाल मरीज और उनके परिजन नही समझ पा रहे है इस शातिर डॉक्टर ने मरीजो को लूटने के लिए दर्जनों लोगों को कमीशन की बड़ी लालच देकर अपने कार्यों में शामिल कर लिया है जो डॉक्टर का गुणगान कर मरीजो को अस्पताल पहुँचाने में अहम भूमिका निभा रहे है इस डॉक्टर के कृत्यों के चलते 18 वर्ष पहले मूरतगंज क्षेत्र में पुलिस ने इस डॉक्टर के इज्जत की जमकर बखिया उधेड़ी थी थियेटर मेला की भीड़ ने इसका जोरदार भूत उतार दिया था लेकिन डॉक्टर के नोट की गड्डियों के आगे तत्कालीन थानेदार ज्यादा देर तक टिक नही सके और तत्कालीन थानेदार ने डॉक्टर के गुनाहों को माफ कर दिया था हालांकि उस वक्त इस डॉक्टर का जितना मान मर्दन पुलिस ने कर दिया था कम नही था इस चर्चित डॉक्टर ने बीस वर्षों में सैकड़ो करोड़ की बेनामी अकूत सम्पत्ति अर्जित कर पूरे चिकित्सा ब्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है मरीज के इलाज के आड़ में इस डॉक्टर के अस्पताल में कौन-कौन से गुनाह किए जा रहे है यह बड़ी जांच का विषय है कुछ समय मे सैकड़ो करोड़ की बेनामी सम्पत्ति अर्जित करने वाले इस कथित डॉक्टर के कारनामों की भारत सरकार द्वारा ईडी सहित स्वतंत्र एजेंसियों से उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की जरूरत है जिससे कुछ समय मे अकूत संपत्ति अर्जित करने वाले डॉक्टर का चेहरा समाज के सामने बेनकाब हो सके कुछ वर्षों में कौशाम्बी प्रयागराज सहित अन्य क्षेत्रों में सैकड़ो करोड़ की बेनामी सम्पत्ति एकत्रित करने वाले इस डॉक्टर की अकूत सम्पत्ति की स्वतंत्र एजेंसी से जांच करा कर डॉक्टर के कारनामो को बेनकाब कर सच्चाई जनता के सामने लाने के लिए समाज के लोगो ने प्रधानमंत्री के साथ सूबे के मुख्यमंत्री से मांग की है प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की स्वतंत्र जांच एजेंसी टीम ने यदि निष्पक्ष तरीके से डॉक्टर के अकूत सम्पत्ति की जांच की तो जल्द ही इस डॉक्टर का चेहरा बेनकाब होगा और यह सलाखों के पीछे होगा।

सैकड़ों छात्र छात्राओं ने ली विद्यार्थी परिषद की सदस्यता

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाये जा रहे सदस्यता अभियान में मंझनपुर नगर के एक इंटर कॉलेज की आस्था मिश्रा, नैना देवी, निखत, चांदनी, पिंकी, सिदरा फात्मा, रिया देवी, अंजली यादव, वन्दना, राज तिवारी, सुनील गुप्ता कृष्णा, महबूब, अजीत, शशि, राजकमल अंकित, देवेन्द्र कुमार, सत्यम यादव, कमल पटेल सहित सैकड़ो विद्याथीर्यों ने 21 सितम्बर को सदस्यता ग्रहण की सदस्यता करा रहे जिला संगठन मंत्री अश्वनी सिंह नें कहा कि विद्यार्थी परिषद दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन हैं ,परिषद जिले भर में तीन सौ पैसठ दिन छात्र हित एवं समाज हित के लिए कार्य करता है।

कड़ाधाम थाना का सिपाही ट्रक ट्रेलर ट्रैक्टर डंपर वाहनों से कर रहा एंट्रीफीस की बेखौफ वसूली

कड़ा धाम थाना क्षेत्र से प्रति महीने गुजरते हैं हजारों ट्रक ट्रेलर ट्रैक्टर डंपर

ओवरलोड चलने से वाहन स्वामियो की आमदनी महीने में हो जाती है दोगुनी

कौशांबी। सड़को पर वाहनों के संचालन में कार्यवाही ना करने का हवाला देकर कड़ाधाम थाना पुलिस का सिपाही ट्रक ट्रेलर ट्रैक्टर डंपर आदि वाहनों से एंट्री फीस की बेखौफ वसूली कर रहा है लेकिन सिपाही की वसूली के मामले को अभी तक पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लेकर सिपाही को बर्खास्त कर वसूली नहीं बंद कराई है योगी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त की बात करती है लेकिन रसूली करने वाला सिपाही मौज कर रहा है उसको बर्खास्त कर गिरफ्तार कर अभी तक जेल नहीं भेजा गया है वसूली से मालामाल हुए सिपाही की संपत्ति नीलाम कर सरकारी खजाने में वापस नहीं जमा कराई गई है उस पर 14 ए गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई नहीं की गई है थाना पुलिस द्वारा वसूली की स्थिति यह है कि कड़ा धाम थाना क्षेत्र से चाहे प्रतिदिन कोई ट्रक ट्रेलर डंपर ट्रैक्टर गुजरता हो या तीन दिन बाद वाहन सड़क से गुजरे हफ्ते में गुजरना हो या पखवाड़ा बाद ट्रक ट्रेलर डंपर ट्रेक्टर का सड़क पर निकलना हो उसे 3000 प्रति महीना पुलिस की एंट्री के नाम पर सिपाही को देना होगा वरना ट्रक डंपर ट्रैक्टर ट्रेलर का कड़ा धाम की सड़क पर चलना मुश्किल होगा बताया जाता है कि कड़ा धाम थाना क्षेत्र से प्रति महीने 2000 से अधिक ट्रक ट्रेलर ट्रैक्टर डंपर गुजरते हैं जिन्हें पुलिस की एंट्री फीस देनी पड़ती है एंट्री फीस की वसूली करने वाला सिपाही सत्ता के नेताओं का खासम खास बताया जाता है जिससे अफसर सिपाही पर कार्यवाही करने का प्रयास नहीं कर पाते हैं। कड़ा धाम थाना क्षेत्र में गुजरने वाले ट्रक ट्रेलर ट्रैक्टर डंपर के चालक निर्धारित क्षमता से अधिक ओवरलोड वाहन को सड़कों पर दौड़ते हैं जिससे वाहन चालकों की भी मजबूरी है पुलिस की जांच कार्यवाही से चालक बचाना चाहते हैं ओवरलोड चलने से वाहन मालिकों की आमदनी महीने में दोगुनी हो जाती है सड़के जरूर खराब होती है लेकिन परिवहन विभाग से लेकर पुलिस की एंट्री की वसूली को वाहन चालक सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं जिससे जहां परिवहन विभाग के अफसरों की जेब भर रही है वहीं पुलिस भी मालामाल हो रही है लेकिन सरकार का खजाना खाली हो रहा है सड़कों पर ओवरलोड वाहन तेज गति से दौड़ने से दुर्घटनाएं बढ़ रही है और जनधन की बड़ी हानि हो रही है लेकिन इन तमाम बातों के बाद भी थाना पुलिस के एंट्री फीस की वसूली जो प्रथा चार दशक पहले शुरू हुई थी वह अभी तक किसी भी सरकार के कार्यकाल में नहीं बंद हो सकती है हालांकि अधिकारी एंट्री फीस की वसूली से इनकार करते हैं लेकिन स्वतंत्र एजेंसियों से जांच कराई जाए तो चार दशक से होने वाली पुलिस की एंट्री फीस का खुलासा जरूर होगा और वसूली में हिस्सेदारों के चेहरे बेनकाब होंगे।

सम्पादकीय

भारत ने इजरायल के मुद्दे पर खुद को ब्रिक्स सदस्यों से अलग-थलग कर लिया

दक्षिण अफ्रीका ने आधिकारिक तौर पर मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपराधी घोषित करे और इजरायल से अपना कब्जा समाप्त करने को कहा जाये। ब्राजील के राष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के कदम का पूरा समर्थन किया। अंत में, आईसीजे ने इजरायल को उसके अत्याचारों को समाप्त करने के लिए अपना आदेश जारी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारतीय विदेश नीति में क्या हो रहा है? क्या भारत 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका का एक जागीर देश बन जायेगा और देश के ब्रिक्स भागीदारों के साथ अपने सभी राजनीतिक संबंधों को समाप्त कर देगा?

ऐसे कई अन्य ज्वलंत प्रश्न 18 सितंबर को तब उभरे, जब हमारे प्रधानमंत्री के 74वें जन्मदिन और प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के एक दिन बाद, भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया, जिसमें मांग की गयी थी कि इजरायल 12 महीने के भीतर बिना किसी देरी के अपने कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को समाप्त करे।

193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें भारत को छोड़कर अधिकांश विकासशील देशों और ब्रिक्स सदस्यों सहित 124 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि अमेरिका और इजरायल सहित 14 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया और भारत सहित 43 सदस्यों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

खास बात यह रही कि भारत की तरह ही क्वैड के एक सदस्य जापान ने भी प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया और कहा कि इजरायल की फिलिस्तीन में कब्जे वाली बस्तियों की गतिविधियां दो राष्ट्रों के प्रस्ताव की प्रगति को कमजोर करती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 सितंबर को अमेरिका में चार देशों के क्वैड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह अमेरिका की उनकी तीन दिवसीय यात्रा का पहला दिन होगा। यह राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित एकमात्र शिखर सम्मेलन है, जिसमें हमारे प्रधानमंत्री बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। चार भागीदारों में से, अमेरिका जो इजरायल का संरक्षक है, ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया, लेकिन जापान ने इसका समर्थन किया और दो अन्य सदस्य भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मतदान में भाग नहीं लिया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया एक ही समूह में हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया पश्चिमी हितों से जुड़ा एक समृद्ध राष्ट्र है, जबकि भारत, जिसे कई वर्षों से वैश्विक दक्षिण के चैंपियन के रूप में जाना जाता है, ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है कि दुनिया का सबसे बड़ा सक्रिय लोकतंत्र भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सक्रिय सदस्यों से अलग-थलग पड़ गया है।

चुनौतियों को चुनौती देकर उन पर विजय हासिल करने वाले को नरेंद्र मोदी कहते हैं

नीरज कुमार दुबे

गुजरात के वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले से लेकर वर्ल्ड स्टेज पर दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शुमार होने तक और एक बार फिर ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग में सबसे आगे रहने तक की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा बड़ी रोचक और प्रेरणादायक रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर चारों ओर से बधाइयों का तांता लगा हुआ है। हर कोई यही प्रार्थना कर रहा है भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य पूरा करने के लिए माँ भारती प्रधानमंत्री मोदी को और शक्ति व सामर्थ्य प्रदान करें। वर्ष 1950 में 17 सितंबर के दिन एक साधारण परिवार में जन्मे नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का सत्ता के शीर्ष पर पहुंचना इस बात का संकेत है कि यदि व्यक्ति में दृढ़ इच्छा शक्ति और अपनी मंजिल तक पहुंचने का जज्बा हो, तो वह मुश्किल से मुश्किल हालात को आसान बनाकर अपने लिए नये रास्ते बना सकता है। हम आपको बता दें कि 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलायी थी। पांच बरस बाद 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर लोकसभा चुनाव जीता और उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत की। इस साल नौ जून को उन्होंने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, जिसके बाद मोदी पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले व्यक्ति हो गए हैं। मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिन्होंने आजाद भारत में जन्म लिया था।

देखा जाये तो देश को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने वाले, देश को गुलामी की मानसिकता से निजात दिलाने वाले, मुश्किल से भी मुश्किल समय में देश को कुशल नेतृत्व देने वाले, बात महामारी की हो या आतंकवाद की...रणनीति और साहस के साथ उनका खात्मा करने वाले, विस्तारवादी ताकतों की सारी हेकड़ी निकालने वाले, देश को अगले 25 सालों के लिए नव-संकल्प दिलाकर सबको साथ लेकर, सबको विश्वास में लेकर आगे बढ़ाने वाले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व कौशल की आज पूरी दुनिया कायल है। 'मोदी है तो मुमकिन है', यह कोई महज चुनावी नारा नहीं बल्कि आश्वस्ति का वह भाव है जो देश की जनता के मन में है। देश की जनता सिर्फ इसी बात से निश्चिंत है कि मोदी हैं तो हमारे देश की संप्रभुता और अखण्डता को कोई आंच नहीं आ सकती। जनता बार-बार देख चुकी है कि 'कोई भारत को छेड़ेगा तो हम छोड़ेंगे नहीं' यह बात सिर्फ मोदी कहते भर नहीं हैं इसे समय-समय पर हकीकत भी बना कर दिखाते हैं।

गुजरात के वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले से लेकर वर्ल्ड स्टेज पर दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शुमार होने तक और एक बार फिर ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग में सबसे आगे रहने तक की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा बड़ी रोचक और प्रेरणादायक रही है। नरेंद्र मोदी इस मामले में पहले प्रधानमंत्री हैं जिसने गरीबी को सबसे करीब से देखा है। जिसकी माँ दूसरों के घरों में काम करती हो, जिसने खुद कभी रेलवे स्टेशन पर चाय बेची हो, जिसने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा दो जोड़ी कपड़ों में गुजारा हो, जिसने हिमालय की चोटियों पर बरसों संन्यासी के रूप में गुजारे हों, जिसने मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात को ऐसा चमकाया हो कि दुनिया भारत के इस राज्य की चकाचौंध से जुड़ने के लिए खुद आतुर हुई हो, जिसने प्रधानमंत्री के रूप में भारत को गरीबी और निराशा की स्थिति से निकाला हो और जो देश को एकजुट कर 'नये भारत' और 'विकसित भारत' की परिकल्पना साकार करने के लिए निकल पड़ा हो, उस हस्ती का देश-दुनिया वंदन कर रही है। वाकई ऐसे जुझारू, कर्मठ, कर्तव्यनिष्ठ, भारत की संस्कृति के प्रचारक और राष्ट्रभक्त जनसेवक बिरले ही होते हैं।

अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद की लगभग समाप्ति कर कश्मीरी युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की बात हो या फिर पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद और कुछ राज्यों में आधार रखने वाले माओवाद पर काबू पाने की बात हो, मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में पूर्णतः शांति बनी हुई है और हर जगह सिर्फ कानून का राज है।

नरेंद्र मोदी को जनप्रतिनिधि के रूप में विभिन्न पदों पर रहते हुए 21 साल से ज्यादा समय हो चुका है लेकिन देखिये उनके पास अन्य नेताओं की तरह ना तो आलीशान बंगला है, ना ही बड़े-बड़े बैंक बैलेंस हैं और ना ही चमचमाती कारें हैं। हाँ, उनके पास भारत की जनता का प्यार जरूर है तभी तो चुनावों के समय जनता खुद ही नारा लगाती है- 'नमो नमो', 'मोदी मोदी', 'मोदी है तो मुमकिन है', 'हर हर मोदी घर घर मोदी' लेकिन भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने देश को जो बड़े नारे या फिर कहिये सूत्रवाक्य दिये वह हैं- 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास'। नरेंद्र मोदी ने अपने लिए बड़ा घर बनाने की जगह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रिकॉर्ड संख्या में जरूरतमंदों के सिर पर छत प्रदान की। नरेंद्र मोदी ने सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्र या अपने गृहराज्य की चिंता करने की बजाय देश को समान रूप से विकास की ऐसी ढेरों परियोजनाएं प्रदान कीं जिससे नये भारत का निर्माण चारों ओर होता दिख रहा है।

भारत का पहला वॉर मेमोरियल, सेंट्रल विस्टा परियोजना, नया संसद भवन, नये संसद भवन में हमारा सेंगोल, भारत मंडपम, यशोभूमि आदि राष्ट्र इमारतें मोदी के कार्यकाल में ही साकार हुईं। राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, स्वच्छ भारत, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, सीडीएस, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया अभियान, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के वादे भारत में बरसों से सुने जाते थे लेकिन यह सब साकार मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हुए। यही वह सरकार है जिसने उद्योगों को मजबूती प्रदान करने के लिए तमाम कदम उठाये, उद्योगों की स्थापना संबंधी प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया, मंजूरियां प्रदान करने की प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया, युवाओं को रोजगार पाने की जद्दोजहद में जुटने की बजाय उन्हें रोजगार प्रदान करने लायक स्थिति में पहुँचाने के लिए तमाम योजनाओं को पेश किया, कोरोना के कहर से देश को बचाने के लिए भारत में वैक्सीन के निर्माण को प्रोत्साहित भी किया तथा दुनिया में सबसे ज्यादा और तीव्र गति से वैक्सीन लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया, संकट के समय महीनों तक गरीब जनता को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया। यही नहीं ओलम्पिक, पैरालम्पिक और राष्ट्रमंडल खेलों के सभी पदक विजेताओं और प्रतिभागी खिलाड़ियों का हौसला प्रधानमंत्री ने निजी रूप से बढ़ाया। विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल करने वालों से बात कर उनका हौसला बढ़ाने की बात हो, युवाओं का विभिन्न अवसरों पर मार्गदर्शन करने की बात हो, छात्रों से परीक्षा पर चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाने की बात हो...नरेंद्र मोदी से पहले किसी प्रधानमंत्री ने यह काम नहीं किया।

भोलेनाथ के भक्त और काशी के जनसेवक मोदी ने रामनगरी अयोध्या में श्रीराम का दिव्य और भव्य मंदिर बनवा कर हिन्दुस्तान की जनता का सैंकड़ों वर्षों पुराना सपना साकार कर दिया तो मोदी सरकार के कार्यकाल में ही अल्पसंख्यक मंत्रालय ने मुस्लिमों के लिए इतनी योजनाएं पेश कीं कि आज यह वर्ग पहले की अपेक्षा ज्यादा पढ़ा-लिखा और संपन्न नजर आ रहा है। मोदी ने इस देश में बरसों से चल रही तुष्टिकरण की राजनीति को तो समाप्त किया ही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से भी मुक्ति दिलाई। आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन हो या फिर रक्षा बंधन या भैया दूज का त्योहार, मुस्लिम महिलाएं मोदी को भाई के रूप में राखी भेजती हैं।

अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में चीन से आगे निकलता भारत

प्रह्लाद सबनानी

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं।

अर्थ के कई क्षेत्रों में आज भी पूरे विश्व में चीन का दबदबा कायम है जैसे चीन विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) के शेयर बाजार के आकार के मामले में भी चीन का दबदबा लम्बे समय से कायम रहा है। परंतु, अब भारत उक्त दोनों ही क्षेत्रों, (विनिर्माण एवं शेयर बाजार), में चीन को कड़ी टक्कर देता दिखाई दे रहा है तथा हाल ही में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार सम्बंधी इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। अथवा, यह कहा जाय कि इन इंडेक्स के आधार पर अथवा इन इंडेक्स की बाजार में चाल पर ही वे इन देशों के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इन संस्थागत निवेशकों में विभिन्न देशों के पेन्शन फंड, सोवरेन फंड, निवेश फंड आदि शामिल रहते हैं जिनके पास बहुत बड़ी मात्रा में पूंजी की उपलब्धता रहती है एवं वे अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं। इस संदर्भ में टरउकऐीॅल्लॅ टं१ी३ क्टक (क्ल्लधी२३ु ी टं१ी३ क्ल्लीी७) क्ल्लीी७ का नाम पूरे विश्व में बहुत विश्वास के साथ लिया जाता है। विश्व प्रसिद्ध निवेश कम्पनी मोर्गन स्टेनली ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि इस इंडेक्स में 24 तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) की 3,355 कम्पनियों के शेयरों को शामिल किया गया है।

पिछले 15 वर्षों से यह प्रचलन चल रहा है कि इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स (क्टक) में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही है परंतु धीरे धीरे अब चीन की भागीदारी इस इंडेक्स में कम हो रही है एवं इस वर्ष अब भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस इंडेक्स में प्रतिशत में चीन की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है और भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ते हुए चीन से आगे निकल आई है और भारत की हिस्सेदारी अब 22.27 प्रतिशत से अधिक हो गई है एवं चीन की हिस्सेदारी कम होकर 21.58 रह गई है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है और इसका आशय यह है कि जो निवेशकर्ता इस इंडेक्स के आधार पर अपना निवेश तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में करते हैं वे अब भारत की ओर अपना रूख करेंगे। दूसरे, पिछले कुछ वर्षों से विदेशी निवेशक भारत से निवेश बाहर निकालते रहे हैं क्योंकि उनको भारतीय शेयर मंहगे लगाने लगे थे। परंतु, अब यह विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रूख करेंगे। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का वेट बढ़ने से इस प्रकार के निवेशक भी भारत में आएंगे ही और भारत में 400 से 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नया निवेश करेंगे।

एक अन्य टरउक वैश्विक सूचकांक में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 2 प्रतिशत हो गई है। परंतु, टरउक इमर्जिंग मार्केट इनवेस्टिबल फंड इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वैश्विक स्तर पर निवेश करने वाले बड़े फंड्ज का निवेश सम्बंधी आबंटन भी इसी हिस्सेदारी के आधार पर होने की सम्भावना है। इन्हीं कारणों के चलते अब आने वाले समय में भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना निवेश बढ़ाए जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैसे भी चीन की अर्थव्यवस्था में अब विकास दर कम हो रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से चीन लगातार कुछ आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है। चीन की विदेश नीति में भी बहुत समस्याएं उभर रही हैं विशेष रूप से चीन के अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ राजनैतिक सम्बंध ठीक नहीं हैं। चीन के शेयर बाजार में देशी निवेशक ही अधिक मात्रा में भाग ले रहे थे और वे भी अब अपना पैसा शेयर बाजार से निकाल रहे हैं। इन समस्याओं के पूर्व टरउक इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में चीन ओवर वेट था और भारत अंडर वेट था। परंतु, पिछले दो वर्षों के दौरान स्थिति में तेजी से परिवर्तन हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था में आई समस्याओं के चलते चीन का इस इंडेक्स में खराब प्रदर्शन रहा है, उससे चीन की हिस्सेदार इस इंडेक्स में कम हुई है। दूसरा, भारत अपने आप में विभिन्न आयामों वाला शेयर बाजार है क्योंकि यहां निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एवं गैस, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, होटेल, बैंकिंग एवं वित्त आदि जैसे लगभग समस्त क्षेत्र मिलते हैं। इसके विपरीत ताईवान के शेयर बाजार में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कम्पनियों की 60 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है, इसी प्रकार, सऊदी अरब में तेल कम्पनियों की 90 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। इस प्रकार ये देश पूर्णतः केवल एक अथवा दो क्षेत्रों पर ही निर्भर हैं जबकि भारत में विदेशी निवेशकों को कई क्षेत्रों में निवेश का मौका मिलता है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था शीघ्र ही पांचवे स्थान से आगे बढ़कर तीसरे स्थान पर आने की तैयारी में है। भारत में सशक्त वित्तीय प्रणाली के साथ ही सशक्त प्राइमरी मार्केट भी है। भारत में स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है, इन स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों को भी तो वित्त की आवश्यकता है, जिनमें विदेशी निवेशक अपनी पूंजी का निवेश कर सकते हैं। इस प्रकार यह स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियां भी निवेशकों को निवेश के लिए अतिरिक्त बेहतर विकल्प प्रदान कर रही हैं।

साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का कम्पन भी स्पष्टतः दिखाई दे रहा हैं और भारत में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि हो रही है। भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं इससे भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में और अधिक वृद्धि होगी तथा इससे विभिन्न कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अधिक वृद्धि होगी और अंततः इन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों को भी भारत में निवेश करने में और अधिक लाभ दिखाई देगा। दूसरे, भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली 60 प्रतिशत जनसंख्या का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत तक ही है, इसे बढ़ाए जाने के लगातार प्रयास केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के चलते ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में भी वृद्धि दर्ज होगी। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को उद्योग एवं सेवा के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण इलाकों एवं कृषि क्षेत्र पर जनसंख्या का दबाव कम हो। भारत की जनसंख्या की औसत आयु 27 वर्ष हैं, चीन की जनसंख्या की औसत आयु 40 वर्ष है और जापान की जनसंख्या की औसत आयु 53 वर्ष है। इस प्रकार भारत आज एक युवा देश है क्योंकि भारत में युवा जनसंख्या, चीन एवं जापान की तुलना में, अधिक है जो भारत के लिए, आर्थिक दृष्टि से, लाभ की स्थिति उत्पन्न करता है।।

भारतीय युवाओं को यदि रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगते हैं तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और अधिक तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। चीन में आज बेरोजगारी की दर जुलाई 2024 में बढ़कर 5.20 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो जून 2024 में 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2002 से वर्ष 2024 तक चीन में बेरोजगारी की औसत दर 4.75 प्रतिशत रही है। हालांकि फरवरी 2020 में यह 6.20 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी। अब पुनः धीरे धीरे चीन में बेरोजगारी की दर आगे बढ़ रही है। जबकि भारत में वर्ष 2023 में बेरोजगारी की दर (15 वर्ष से अधिक आयु के नगरिको की) कम होकर 3.1 हो गई है जो हाल ही के समय में सबसे कम बेरोजगारी की दर है। वर्ष 2022 में भारत में बेरोजगारी की दर 3.6 प्रतिशत थी एवं वर्ष 2021 में 4.2 प्रतिशत थी। इस प्रकार धीरे धीरे भारत में बेरोजगारी की दर में कमी आने लगी है।

कुल मिलाकर अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में चीन की तुलना में भारत की स्थिति में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है जिससे टरउक इंडेक्स में भारत की स्थिति में भी लगातार सुधार दिखाई दे रहा है जो आगे आने वाले समय में भी जारी रहने की सम्भावना है। इस प्रकार, अब भारत, चीन को अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे धीरे पीछे छोड़ता जा रहा है।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के फ्री ऑफर से क्या मिलेगी सत्ता की चाबी?

अजय कुमार

कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कई आकर्षक वादे पेश किए हैं। इनमें से प्रमुख वादा 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है, जो सीधे अरविंद केजरीवाल के मॉडल से प्रेरित है।

भारतीय राजनीति में मुफ्त योजनाओं का चलन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है, और यह एक ऐसी रणनीति बन गई है जिसे राजनीतिक दल अपने चुनावी अभियानों में बड़ी चतुराई से इस्तेमाल कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुफ्त पानी और बिजली देने का मॉडल हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुफ्त राशन देने का कार्यक्रम, ये सभी नीतियां राजनीतिक सफलता की कुंजी बन चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी से लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तक, सभी ने इन योजनाओं का उपयोग करके अपनी सत्ता को मजबूत किया है। अब हरियाणा में कांग्रेस ने इसी परंपरा को अपनाते हुए अपने चुनावी अभियान में एक नया मोड़ लिया है, जिससे वह पिछले दस वर्षों से सत्ता से बाहर रहने की स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कई आकर्षक वादे पेश किए हैं। इनमें से प्रमुख वादा 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है, जो सीधे अरविंद केजरीवाल के मॉडल से प्रेरित है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ने समझ लिया है कि लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं ही उनकी राजनीतिक जीत की कुंजी हो सकती हैं। कांग्रेस के नेता इस बार अपने वादों में आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं, और उन्होंने इन योजनाओं को लुभावना बनाने की हर संभव कोशिश की है।

महिलाओं के प्रति कांग्रेस का यह नया दृष्टिकोण भी ध्यान देने योग्य है। पार्टी ने 18 वर्ष से ऊपर की प्रत्येक महिला को प्रतिमाह 2000 रुपये देने का वादा किया है। यह योजना मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना से प्रेरित है, जिसने उस राज्य में चुनावी परिणामों को पलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस का यह वादा महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपने पक्ष में करने की एक रणनीति है। इसके अतिरिक्त, बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को भी छह हजार रुपये की पेंशन देने का प्रस्ताव रखा गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है।

किसानों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। यह घोषणा किसानों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने ग्रामीण समुदाय की चिंताओं को समझा है। भारतीय राजनीति में किसानों का एक अहम स्थान है, और उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना हमेशा से राजनीतिक दलों के लिए फायदेमंद रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस ने किसानों को तुरंत मुआवजे का आश्वासन देकर उनकी समस्याओं को तेजी से हल करने का भी वादा किया है।

कांग्रेस ने तेलंगाना के मॉडल को भी अपनाने की कोशिश की है, जिसमें गैस सिलेंडर के लिए मात्र 500 रुपये देने का प्रस्ताव है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, और इसके तहत 100 गज के मुफ्त प्लॉट और पक्के मकान देने का भी वादा किया गया है। यह आवास की समस्या को हल करने में मदद करेगा और नागरिकों को एक स्थायी घर प्रदान करेगा।

कांग्रेस ने राजस्थान की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को भी अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। इसके तहत गरीबों के लिए 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर हाल के वर्षों में सवाल उठते रहे हैं, और यह योजना कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण दांव साबित हो सकती है। हालांकि राजस्थान में यह योजना अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर पाई थी, लेकिन हरियाणा में इसकी लोकप्रियता को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का भी भरोसा दिया है, जो सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी मांग है। इस योजना से न केवल कर्मचारियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी फायदा होगा, और इससे कांग्रेस का समर्थन बढ़ सकता है। चुनावी प्रचार में कांग्रेस ने अपनी योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से पेश किया है, जो दर्शाता है कि वह अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

हालांकि, कांग्रेस के इन दावों की सफलता केवल चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुफ्त योजनाएं हमेशा कारगर नहीं होतीं। कई बार मतदाता इन योजनाओं के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करते हैं।

इस प्रकार, हरियाणा में कांग्रेस ने चुनावी मैदान में उतरते हुए एक महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई है। अब देखना यह है कि क्या ये मुफ्त योजनाएं वास्तव में उन्हें सत्ता में वापस लाने में मदद कर पाएंगी या नहीं।

भाजपा और अन्य दलों की प्रतिक्रियाएं भी इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंततः, हरियाणा का चुनाव यह साबित करने के लिए एक बड़ा मंच होगा कि मुफ्त योजनाएं कितनी प्रभावी हैं और क्या वे एक राजनीतिक दल की किस्मत को बदलने में सक्षम हैं।

जो मामले लम्बित हैं, जल्द निस्तारण करायें: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने राजस्व विभाग के कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आईजीआरएस, धारा 116, धारा 80, धारा 67, धारा 24 आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। आईजीआरएस के बारे में निर्देश दिया कि जो जन समस्याओं से असंतुष्ट हैं, उनसे फोन से वार्ताकर निस्तारण करायें।

रविवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने समीक्षा बैठक में कहा कि आख्या अपलोड करते समय दोबारा पढ़े। जन समस्याओं को गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण करायें। आईजीआरएस

बैठक में निर्देश देते डीएम।

में सक्रिय होकर इसका निस्तारण करायें। नाराजगी जताते हुए कहा कि सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि आप लोग शासन की छवि खराब कर रहे हैं। प्रगति ठीक नहीं मिली तो शासन को पत्र भेजा जायेगा। डीएम ने पांच व तीन साल के ऊपर के मुकदमों बाबत कहा कि जो मामले लम्बित हैं, जल्द निस्तारण करायें। धारा 24 के तहत कहा कि इसमें बरासत बैनामा होता है। किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। आय, जाति, निवास बाबत जिलाधिकारी ने सभी तहसीलदार व उपजिलाधिकारी को निर्देश दिये कि शासन से निर्धारित समय सीमा के अनुसार निस्तारण करायें। किसी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। खसरा खतौनी बाबत डीएम ने कहा कि स्थिति खराब है, इसमें प्रगति करायें। इस मौके पर एडीएम एफआर उमेश चंद्र निगम, एसडीएम कर्वी सुश्री पूजा साहू, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ सौरभ यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, तहसीलदार कर्वी वाचस्पति सिंह समेत राजस्व कर्मचारी मौजूद रहे।

सीओ राजापुर ने थाना पहाड़ी-राजापुर के विवेचकों का किया अर्दली रुम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सीओ राजापुर श्रीमती निष्ठा उपाध्याय ने थाना पहाड़ी व राजापुर के विवेचकों का अर्दली रुम किया गया।

रविवार को सीओ राजापुर श्रीमती निष्ठा उपाध्याय ने अर्दली रुम दौरान विवेचकों को गुण-दोष के आधार पर विवेचना के निस्तारण बाबत निर्देश दिये। कहा कि मुकदमों में वांछित चल रहे आरोपियों की गिरफ्तार की जाये। जनसुनवाई व आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को निर्देश

निर्देश देती सीओ राजापुर।

दिये। अर्दली रुम दौरान प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी श्रीमती रीता सिंह, चैकी प्रभारी गनीवा यदुवीर सिंह व अन्य विवेचक मौजूद रहे।

पुलिस ने एक वांछित-पांच वारंटी दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में पुलिस ने एक वांछित व पांच वारंटी दबोचे हैं। रविवार को राजापुर थाने के दरोगा अनिल कुमार ने सिपाही शाकिर अली के साथ पॉक्सो एक्ट के वांछित चुन्नू उर्फ अंशू पुत्र गुल्जार सोनकर कुसिया पुरवा को गिरफ्तार किया। पहाडी थाने के वरिष्ठ दरोगा मनीष कुमार ने सिपाही गुड्डू व दीपक ने विद्युत अधिनियम के वारंटी चुन्नू द्विवेदी पुत्र रामगुलाम नांदी तौरा व वारंटी जानकीशरण पुत्र रमा उपाध्याय कपना इटौरा को गिरफ्तार किया। 'सीतापुर चौकी के दरोगा मेवालाल मौर्य ने सिपाही अभिषेक प्रताप सिंह, लल्ला प्रसाद, नागेश के साथ वारंटी रामनरेश पुत्र रामकेश अरखनपुर मजरा मनोहरगंज को गिरफ्तार किया। शिवरामपुर चौकी के दरोगा यूटी कुंवर प्रखर सिंह ने सिपाही नरेन्द्र कुमार के साथ वारंटी रघुराज पटेल पुत्र बुआराम शिवरामपुर को गिरफ्तार किया। भरतकूप थाने के दरोगा उत्कर्ष कुमार सिंह ने सिपाही नरेन्द्र सिंह के साथ वारंटी रमेश पटेल उर्फ गूंदा पुत्र ननकू पटेल तरांव को गिरफ्तार किया।

तुलसी वॉटरफॉल बना आकर्षण का केंद्र

वॉटरफॉल को पर्यटन स्थल बनाने का कार्य शुरू

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बारिश के मौसम में वॉटरफॉल व झीलों का प्राकृतिक सौंदर्य देखने को पर्यटक दूर-दूर से निकल पड़ते हैं। जिले के मानिकपुर तहसील में स्थित तुलसी वॉटरफॉल इस समय पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

रविवार को प्रकृति प्रेमी परिवारों के साथ यहां लखनऊ, दिल्ली, फतेहपुर व कानपुर से सैकड़ों लोग पहुंच रहे हैं। वॉटरफॉल से गिरते पानी के साथ उभरते धुआ का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है।

तुलसी वाटरफाल में लगी बैरिकेडिंग।

पहाड़ों से गिरते पानी की आवाज व उसकी शीतलता हर किसी को प्रकृति के करीब ले आती है। तुलसी वॉटरफॉल को एक पर्यटन स्थल बतौर विकसित करने को प्रशासन ने तेजी से कार्य शुरू कर दिया है। वन विभाग ने सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कर दी है। पर्यटकों को घूमने के अन्य साधन भी तैयार किये हैं। प्रतिदिन यहां 500 से 1000 लोग वॉटरफॉल का नजारा देखने आते हैं, लेकिन अभी तक टिकट की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।फतेहपुर से परिवार के साथ आए सत्येंद्र ने बताया कि हम यहां अक्सर आते हैं। यहां की सुंदरता अद्भुत है। बच्चों के साथ समय बिताने को ये एक बेहतरीन जगह है। हमने परिवार के साथ काफी इंजॉय कर सेल्फी लिया। तुलसी वॉटरफॉल की प्राकृतिक छटा अन्य पर्यटक स्थलों से बिल्कुल अलग है। तुलसी वॉटरफॉल जल्द ही देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। इस अद्भुत प्राकृतिक स्थल के प्रति लोगों की रुचि इसे एक विशेष पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

नाबालिग लड़की हुआ का अपहरण, पुलिस आरोपी की कर रही तलाश

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने स्थानीय दबंग पर आरोप लगाते हुए राजापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शनिवार की देर रात परिवार वाले पुलिस थाने के चक्कर लगाते रहे, लेकिन मामला दर्ज नहीं हुआ। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने मामला दर्ज करने का निर्णय लिया। आरोपी की तलाश शुरू की। राजापुर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस की तत्परता से उम्मीद की जा रही है कि आरोपी जल्दी पकड़ में आएगा। स्थानीय लोग सुरक्षित माहौल की मांग कर रहे हैं। इस घटना ने नाबालिग सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। सभी की निगाहें अब पुलिस कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

वायरल फीवर से बच्ची समेत तीन की मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शनिवार की रात बुखार से जूझ रहे तीन लोगों की मौत हो गई। इसमें एक मासूम बच्ची भी शामिल है। इन मौतों से परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठ रहे हैं।

रैपुरा थाना क्षेत्र के अगरहुण्डा गांव की चार वर्षीय राधिका की बुखार से हालत बिगड़ गई थी। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

इसी क्रम में 70 वर्षीय गंगा बुखार से जूझ रहे थे। उनके पुत्र अवधराज ने बताया कि उन्हें तीन-

मर्चरी में बैठे मृतक के परिजन।

चार दिनों से बुखार था। इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कंठीपुर गांव के 34 वर्षीय राम कुमार जो दिल्ली में प्राइवेट कंपनी में काम करता था। बुखार से परेशान होकर घर लौट रहे थे। ट्रेन में यात्रा के दौरान उसकी भरुआ सुमेरपुर के पास मौत हो गई। शव को चित्रकूट रेलवे स्टेशन पर उतारकर पुलिस ने पंचनामा किया। उनके परिवार में पत्नी संगीता व चार बच्चे हैं। उनका रो-रोकर हाल बुरा है।

जिले में पिछले एक महीने से वायरल फीवर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। अब तक कई मौतें हो चुकी हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गहरी चिंता है।

पुलिस ने दो को 81 क्वार्टर शराब समेत दबोचा

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्गविजय सिंह की अगुवाई में दरोगा अजय बहादुर सिंह ने सिपाही अमित द्विवेदी के साथ अवध बिहारी पुत्र प्रदुम्न सिंह उसमा अतर्रा बांदा को 41 क्वार्टर देशी शराब व सुरिन्दी पुत्र वीरन कोल पवानिया रमनाबाद कटनी मप्र को 40 क्वार्टर देशी शराब समेत दबोचा है। दोनों के खिलाफ मानिकपुर थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

ट्रैक पार करते समय हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के चकला राजरानी के पास शनिवार बीती रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। 55 वर्षीय छक्कीलाल अहमदगंज चैकी सीतापुर अपने खेत से लौटते समय अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने परिजनों को जानकारी दी।

परिजनों ने बताया कि छक्कीलाल खेत में पानी लगाने के बाद रात करीब तीन बजे घर लौट रहे थे। रेलवे ट्रैक पार करते समय वह ट्रेन के सामने आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह स्थानीय लोगों ने परिजनों को जानकारी दी। जिन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा। कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की पूरी जांच की जा रही है। परिजनों का कहना है कि यह एक दुखद घटना है। वे न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

22 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह की अगुवाई में दरोगा अभषिक कुमार सिंह ने सिपाही रणवीर सिंह के साथ दयाशंकर पुत्र संतोष गोंडा भरतकूप के कब्जे से 22 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उस पर भरतकूप थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

रैली बाद स्वच्छता की दिलाई शपथ

परिक्रमा मार्ग में चलाया सफाई अभियान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के तहत नगर पालिका परिषद ने कामतानाथ परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता ही सेवा स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया। ईओ लालजी यादव ने श्रद्धालुओं व नागरिकों की मौजूदगी में सफाई अभियान चलाया।

रविवार को अभियान में कहा कि घर की तरह मोहल्ले व शहर को साफ रखने की जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए। ब्रांड एंबेसडर स्वच्छ भारत मिशन राकेश केसरवानी ने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत अपने घर से, वार्ड से, मोहल्ले से, कामतानाथ परिक्रमा मार्ग व ऑफिस/व्यवसाय की करनी चाहिए। दुकानदारों को अपने-अपने प्रतिष्ठान पर दो डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए। महंत गोपालदास महाराज ने परिक्रमा मार्ग में स्वच्छता रैली के साथ कार्यक्रम का समापन

स्वच्छता अभियान में मौजूद लोग।

करते हुए स्वच्छता की शपथ दिलाई। नगर की स्वच्छता व सुंदरता को बनाया जा सके।

पॉलिथीन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। पॉलिथीन का प्रयोग न करने को कहा। अधिशासी अधिकारी लालजी ने बताया कि मंदिरों, घाटों, कामतानाथ परिक्रमा मार्ग, वॉर्ड में चिन्हित ब्लैक स्पॉट की सफाई करें। ईओ ने वार्ड व नगरवासियों से स्वच्छता में सहयोग करने को कहा। जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्वच्छ भारत मिशन शिवा कुमार ने लोगों से स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने को स्वच्छता में सहयोग का आवाहन किया। स्वच्छ भारत मिशन में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत कामतानाथ की परिक्रमा मार्ग में कार्य करने को राजेंद्र त्रिपाठी, कृष्णा शुक्ला, अंकुर केसरवानी, सफाई व खाद्य निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, कर निरीक्षक राहुल पांडेय, बसंतलाल यादव, सफाई नायक जानकी कुशवाहा, विनोद आदि व्यापारी व अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पितृ पक्ष में पौधे लगाकर पूर्वजों को दें सच्ची श्रद्धांजलि: अजीत सिंह

बुंदेली सेना ने कर्वी माफी में बांटे 51 पौधे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पितृ पक्ष में पूर्वजों के नाम पौधरोपण करने को बुंदेली सेना ने ग्रामीणों के बीच 51 पौधों का वितरण किया। सभी से अपील किया कि एक पौधा लगाकर पूर्वजों को सच्ची श्रद्धांजलि दें।

रविवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि उनके बाबा रेंजर रामखेलावन सिंह ने आम के बाग लगाए थे। आज उस बाग से बाबा की यादें जीवंत हैं। एक पेड़ सौ पुत्रों के समान बताया गया है। सभी को कम से कम एक पेड़ लगाकर उसे बड़ा करना चाहिए। जिनके पास खेत और जमीन नहीं है उन्हें

ग्रामीणों को पेड बांटते अजीत सिंह।

सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण करने चाहिए। व्यापारियों को दुकान के सामने डिवाइडर में जालीदार पौधे लगाकर उनकी रक्षा सुरक्षा करनी चाहिए। बच्चों के जन्मदिन को यादगार बनाने से लेकर पूर्वजों के नाम पर पौधरोपण अवश्य होना चाहिए। दिनोदिन ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ रहा है। भीषण गर्मी की चपेट से पेड़ पौधे ही बचा सकते हैं। अजीत सिंह ने बताया कि वह पितृ पक्ष में हर साल पौधों का वितरण करते हैं, ताकि लोग अपने पूर्वजों के नामपर पौध लगायें। इस बार कर्वी माफी में 51 पौधों का वितरण किया। इसमें महुआ, आम, आमरूद, नीबू, अशोक, अनार और अन्य कई प्रजातियों के पौधे शामिल रहे। पितृ पक्ष में ही मंदाकिनी नदी के तट पर भी वन विभाग के सहयोग से पौधरोपण की योजना है। इसके अलावा मुक्तिधाम में भी पौधरोपण कराने की मांग बुंदेली सेना ने वन विभाग से की है।

पौध वितरण के दौरान कर्वी माफी प्रधान बद्री सिंह पटेल, अशोक सिंह, राजकुमार सिंह, अरविन्द सिंह, गोवर्धन प्रजापति, रामप्रकाश पाल, राजा रैकवार, रामचंद्र कुरील समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

अगल-अगल दो स्थानों से नौ जुआरी दबोचे, 10910 रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

पुलिस गिरफ्त में जुआरी।

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से नौ जुआरियों को जुआ खेलते रंगेहाथ दबोचा है। रविवार को सीतापुर चैकी के दरोगा मेवालाल मौर्या ने सिपाही अभिषेक प्रताप सिंह, राजेश कुमार, रविन्द्र कुमार के साथ अरखनपुरवा मनोहरगंज से रामकरन पुत्र कल्लू कुशवाहा, राज कुमार पुत्र बाबू कुशवाहा बान तालाब, संतोष पाठक पुत्र जगदीश नारायण सेठ की बगिया सीतापुर, रामनरेश पुत्र महेश प्रसाद चितरा गोकुलपुर, सहजादे पुत्र जलील राईन मुस्लिम बस्ती सीतापुर को ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते गिरफ्तार किया। जुआरियों के कब्जे से मालफड़ 9640 रुपये व ताश के 52 पत्ते तथा जामा तलाशी में 450 रुपये बरामद हुए। जुआरियों के खिलाफ कोतवाली कर्वी में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इसी क्रम में रैपुरा थाने के दरोगा रविकान्त राय, दरोगा राजेश कुमार राय, दीवान आशाराम, सिपाही पवन यादव ने बाबूराम पुत्र बैजनाथ, अभिलाष पुत्र सिद्धगोपाल, कमलेश पुत्र सुखदेव निवासी रैपुरा को ताश के पत्ते से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। जुआरियों के कब्जे से मालफड़ 350 रुपये व ताश के 52 पत्ते तथा जामातलाशी से 470 रुपये बरामद हुए। जुआरियों के खिलाफ रैपुरा थाने में मामला दर्ज हुआ।

पुलिस ने नगदी समेत दो चोर दबोचे

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक मऊ विनोद कुमार राय की अगुवाई में मऊ थाना पुलिस ने कस्बे में हुयी चोरी की घटना का खुलासा कर दो चोरों को चोरी के 6970 रुपये समेत गिरफ्तार किया।

ज्ञात है कि बालमुकुन्द पुत्र उमेशचन्द्र मवईकला थाना मऊ हाल मुकाम कस्बा मऊ ने सूचना दी कि

पुलिस गिरफ्त में चोर।

अज्ञात चोरों ने उनके घर का दरवाजा तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात व पचास हजार रुपये नगद चोरी कर लिये हैं। सूचना पर मऊ थाने में दरोगा शिवपूजन सरोज को विवेचना के निर्देश दिये। दरोगा शिवपूजन सरोज की टीम ने सुरागरसी से रविवार को पंकज निषाद पुत्र लवकुश निषाद व इन्द्रेश कुमार पुत्र गुलाबचन्द्र निषाद निवासी गेरुवा मैदाना कस्बा मऊ को गिरफ्तार किया। जामा तलाशी में कब्जे से 6970 रुपये बरामद हुये। पूंछताछ में बताया कि हम लोगों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की थी। जिसमें से 10-10 हजार रुपये हमारे हिस्से में आये थे। तीसरा साथी जेवरात बेंचने गया है। तीसरे चोर की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। टीम में दरोगा शिवपूजन यादव, दरोगा यूटी दिव्यांश पाण्डेय, सिपाही राहुल पाण्डेय व प्रवीण पाण्डेय शामिल रहे

जब भी हम मिलते हैं... पीएम मोदी और जो बाइडन के बीच हुई मुलाकात

विलमिंगटनः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ह्यबेहद सार्थकह्न बैठक की और इस दौरान दोनों नेताओं ने आपसी हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र सहित वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया। मोदी अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति बाइडन ने शनिवार को डेलावेयर के ग्रीनविले स्थित अपने आवास पर उनका स्वागत किया और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया। इसके बाद बाइडन, मोदी का हाथ थामकर उन्हें आवास के अंदर ले गए जहां दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। मोदी और बाइडन के बीच एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत हुई, इसके बाद बाइडन ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्यभारत के साथ अमेरिका की साझेदारी पहले के मुकाबले अधिक मजबूत,

घनिष्ठ और अधिक गतिशील है। प्रधानमंत्री मोदी जब भी हम मिलते हैं, मैं सहयोग के नए क्षेत्रों को तलाशने की हमारी क्षमता से प्रभावित होता हूं। आज भी ऐसा ही हुआ। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि दोनों नेताओं ने यहां क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की और आपसी हितों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र सहित वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यचर्चा आपसी हितों के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रही। दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श किया।

बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में कहा गया कि भारत-अमेरिका साझेदारी ह्यवैश्विक भलाई के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडे पर काम कर रही हैह्न, उन्होंने इसे ह्य21वीं सदी की निर्णायक साझेदारीह्न बताया। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका आज एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का आनंद ले रहे हैं

जिसके तहत साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, हितों के अभिसरण और लोगों के बीच जीवंत संबंधों द्वारा संचालित मानव प्रयास के सभी क्षेत्र आते हैं। वहीं, बाइडन ने पोलैंड और यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्राओं तथा यूक्रेन के लिए शांति तथा मानवीय समर्थन के संदेश के लिए मोदी की प्रशंसा की।

श्रीलंका राष्ट्रपति चुनावःअनुरा कुमारा दिसानायके ने शुरूआती बढ़त हासिल की

कोलंबो। श्रीलंका के नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेता 55 वर्षीय अनुरा कुमारा दिसानायके देश के पहले वामपंथी राष्ट्राध्यक्ष बन सकते हैं। राष्ट्रपति चुनाव के शुरूआती रुझानों से मिले संकेतों के आधार पर यह अटकलें लगाई जा रही हैं।

डेली मिरर के अनुसार, यदि उनकी बढ़त बरकरार रहती है तो चुनाव आयोग द्वारा औपचारिक घोषणा के बाद रविवार को दिसानायके को श्रीलंका के 9वें कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाए जाने की उम्मीद है।

सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस के अनुसार, चल रही मतगणना के मद्देनजर श्रीलंका ने रविवार दोपहर तक कर्फ्यू बढ़ा दिया है। पहले कर्फ्यू शनिवार रात 10 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक लगाया गया था।

पुलिस ने कहा कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद शांतिपूर्ण स्थिति के बावजूद सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों ने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार, राष्ट्रपति ने सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्फ्यू लागू किया।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने सोमवार (23 सितंबर) को विशेष सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, जिसकी पुष्टि लोक प्रशासन और गृह मंत्रालय के सचिव प्रदीप यासरथने ने की है।

द्वीप राष्ट्र के सबसे खराब आर्थिक संकट के बाद होने वाले इस बहुप्रतीक्षित चुनाव में कुल 39 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा (समागी जन बालवेगया) पार्टी से और मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके (जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी) शामिल हैं। चुनाव के नतीजों पर क्षेत्र में उत्सुकता से नजर रखी जा रही है।

कुल 22 मिलियन की आबादी में से 17,140,350 श्रीलंकाई इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे। इसमें 1.2 मिलियन नए मतदाता शामिल थे। शनिवार को देशभर के 3,421 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ और शाम 4 बजे समाप्त हुआ।

संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत के खिलाफ 'नापाक' चाल की तैयारी में पाकिस्तान

इस्लामाबादः संयुक्त राष्ट्र महासभा की 79वीं बैठक में पाकिस्तान एक बार फिर अपनी नापाक चाल चलने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बैठक में कश्मीर का मुद्दा उठाने वाले हैं। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट जियो न्यूज ने इस बारे में जानकारी दी है। शहबाज शरीफ 27 सितम्बर को महासभा को संबोधित करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि शरीफ इस दौरान वह कश्मीर के साथ ही फिलिस्तीन, इस्लामोफोबिया समेत अन्य मुद्दों पर प्रकाश डालेंगे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री महासभा की बैठक में भाग लेने के लिए 23 से 27 सितम्बर तक न्यूयॉर्क में रहेंगे। पाकिस्तान ने भले ही अपने देश में लोगों के खिलाफ सेना उतार रखी है और बलोचों से लेकर पश्तूनों के खिलाफ क्रूर अभियान चला रखा है, लेकिन वह कश्मीर पर भारत के खिलाफ प्लान बनाने से बाज नहीं आ रहा है।

पाकिस्तान का क्या है प्लान?

रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान ने योजना बनाई है कि महासभा में संबोधन के दौरान शहबाज शरीफ भारत के जम्मू कश्मीर और फिलिस्तीन का मुद्दा उठाएंगे।

अकील और वाहबी समेत 14 हिजबुल्लाह कमांडर खत्म...

बेरूतः इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा है कि उसके शुक्रवार को लेबनान में किए गए हमले में हिजबुल्लाह की राडवान फोर्स के कई शीर्ष कमांडर मारे गए हैं। हमले में मरने वालों में हिजबुल्लाह के सैन्य अभियानों का प्रमुख इब्राहिम अकील भी शामिल है। हिजबुल्लाह ने भी माना है कि हवाई हमले में उसके दो वरिष्ठ कमांडर और दूसरे लड़ाके मारे गए, जो हमले के वक्त बैठक कर रहे थे। इजरायली सेना ने हमले में मारे गए राडवान के कमांडरों के नाम भी बताए हैं।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट में कहा गया है कि अकील हिज्बुल्लाह के सैन्य अभियानों का प्रमुख, राडवान फोर्स का कमांडर और गलील पर आक्रमण का मास्टरमाइंड था। आईडीएफ ने शुक्रवार को जब हमला किया तो अकील लेबनान की राजधानी बेरूत में एक आवासीय इमारत के नीचे राडवान फोर्स के वरिष्ठ कमांडरों के साथ बैठक कर रहा था। अकील के अलावा राडवान फोर्स के पूर्व कमांडर अहमद वाहबी भी मरने वालों में है।

हमले में मारे गए लोगों के नाम

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में मरने वालों में अकील और अहमद वाहबी के अलावा मरने वाले राडवान फोर्स कमांडरों की पहचान आईडीएफ ने की है। मरने वालों में कमांडर हसन हुसैन, तटीय क्षेत्र का कमांडर समीर हलावी, काना क्षेत्र कमांडर अब्बास

मुस्लिमानी, रमीम रिज का कमांडर अब्दुल्ला हिजाजी, खियाम क्षेत्र का कमांडर मुहम्मद रेडा, माउंट डोव क्षेत्र के कमांडर हसन मैडी, हसन अब्द अल सतार, हुसैन हदराज, मोहम्मद अल-अत्तार और महमूद हमद मारे गए हैं।

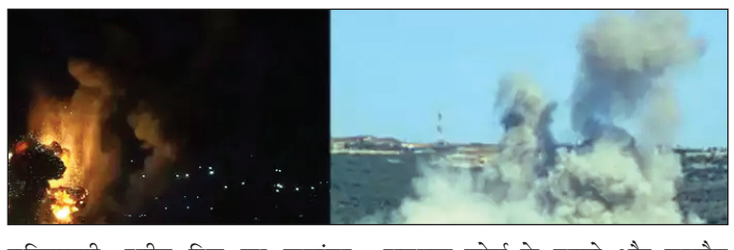

इजरायली सेना के मुताबिक, ये कमांडर वर्षों से इजरायली क्षेत्र में राडवान फोर्स के हमले और घुसपैठ की योजना का नेतृत्व और योजना बना रहे थे, जिसे आदेश मिलने पर अंजाम दिया जाना था।

अकील और हमले में मारे गए कमांडर इजराइल के खिलाफ आतंकवादी अभियानों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए जिम्मेदार थे। इन योजनाओं में गलील के समुदायों पर हमला करने के लिए हिजबुल्लाह की जानलेवा योजना की योजना भी शामिल थी।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबियाद ने कहा कि हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। मरने वालों में तीन बच्चे और कई महिलाएं भी शामिल हैं।

अबियाद ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं ने मलबे से मृतकों और घायलों को निकालने के लिए लगातार काम किया गया क्योंकि इजरायली हमले के बाद आवासीय इमारत धराशाई हो गई। अबियाद का कहना है कि हमले में 68 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से 15 अस्पताल में हैं।

प्रतिदिन निकाला जा रहा है 1,300 टन कच्चा तेल, हजारों लोगों को मिला रोजगार

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी सारी पुल प्रांत में प्रतिदिन 1,300 टन कच्चा तेल निकाला जा रहा है। कार्यवाहक सरकार के खान एवं पेट्रोलियम मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार मंत्रालय के प्रवक्ता हुमायून अफगान ने बताया कि प्रांत के कश्करी, अंगुत और आक दरिया तेल बेसिन के बाहरी इलाकों में 21 कुओं से कच्चा तेल निकालने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही इन क्षेत्रों में 25 और कुओं की खुदाई और मरम्मत की जाएगी।

अफगान ने कहा कि कच्चे तेल को निकालने के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3,000 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।

मंत्रालय के अनुसार, गैस संसाधनों का विकास करना उसका मकसद है। उत्तरी जौजजान प्रांत में गैस निकालने का अनुबंध एक विदेशी कंपनी के साथ किया गया है।

अगस्त 2021 में सत्ता संभालने के बाद से, अफगान कार्यवाहक सरकार ने पूरे देश में खनिज, तेल और गैस निकालने के लिए घरेलू और विदेशी कंपनियों के साथ कई अनुबंध किए हैं।

13 सितंबर को ही अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के नेताओं ने

अफगान क्षेत्र में तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत (तापी) गैस पाइपलाइन के निर्माण के लिए औपचारिक रूप से कार्य आरंभ किया।

इस प्रोजेक्ट को युद्ध से त्रस्त अफगानिस्तान के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का एक प्रमुख स्रोत माना जा रहा है।

स्थानीय आर्थिक विशेषज्ञ अब्दुल कदूस खतीबी ने कहा, "अफगानिस्तान जैसे गरीब देश में ऐसी महत्वपूर्ण परियोजना शुरू करना उसकी अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे बहुत से लोगों को नौकरी मिल सकती है

और अंततः आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है।"

समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि 2024 में 23.7 मिलियन अफगान लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत होगी, जो देश की आधी से ज्यादा आबादी है। देश में 10 में से नौ लोग गरीबी में जी रहे हैं।

रूस के साथ बढ़ी अमेरिका की तनातनी, अलास्का के पास तैनात किया युद्धपोत

वॉशिंगटनः अलास्का क्षेत्र में रूसी और चीनी सैन्य गतिविधि तेज होने के बाद अमेरिकी सेना यहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। अमेरिका ने वॉरशिप के साथ-साथ लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों से लैस सेना इकाइयों को तैनाती के लिए भेजा है। अलास्का तट के पास रूसी नौसेना के हालिया अभियानों के जवाब में यूएसएस स्टेरेट विध्वंसक को भेजा गया है। अमेरिकी सेना के जवान भी सुदूर अलास्का द्वीप पर उतर गए हैं। अलास्का में तैनात लड़ाकू स्क्वाड्रनों और अन्य विमानों को अत्यधिक अलर्ट पर रखा गया है।

पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (ठडफअऊ) ने अलास्का हवाई क्षेत्र के करीब रूसी हवाई संचालन में वृद्धि देखी है। रूसी और चीनी युद्धपोतों ने भी जापान के पास प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त अभ्यास किया है, इसने अमेरिकी की चिंता को बढ़ाया है। चीन के सहयोग से इंडो-पैसिफिक और आर्कटिक क्षेत्रों में रूस की सैन्य कार्रवाइयां तब सामने आई हैं, जब यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के चीन के साथ संबंध मजबूत हुए हैं।

रूसी और चीनी सेना के अभ्यास के बाद बढ़ा तनाव

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में कहा था कि वह आर्कटिक में नाटो के साथ किसी भी टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लावरोव ने इस बात पर जोर दिया ।

हूती रक्षा मंत्री का ऐलान, इजरायल के खिलाफ जारी रहेंगे हमले

सना। यमन के हूती रक्षा मंत्री ने ऐलान किया कि उनका ग्रुप इजरायल के खिलाफ हमले जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक गाजा में इजरायली सैन्य ऑपरेशन रुक नहीं जाते।

हूती ग्रुप के अल-मसीरा टीवी ने रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अतीफी के हवाले से कहा, "इजरायल और उसके समर्थकों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि हमारे हमले जारी रहेंगे।"

अल-अतीफी ने कहा, "हमारी जमीन या हमारे सहयोगियों पर किसी भी हमले का तीव्र और मजबूत जवाब दिया जाएगा। हम इजरायल और उसके संवेदनशील ठिकानों पर हमला करने के लिए दृढ़ हैं और तब तक नहीं रुकेंगे जब तक गाजा पर आक्रमण बंद नहीं हो जाता।" समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार हूती रक्षा मंत्री ने कहा कि इजरायल 'अब हमारी गोलीबारी की सीमा में है।' इस सप्ताह की शुरूआत में, हूती ग्रुप ने 'तेल अवीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले' की जिम्मेदारी ली थी। पिछले वर्ष नवंबर से हूती ग्रुप गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लाल सागर और अदन की खाड़ी में 'इजरायल से जुड़े' जहाजों को निशाना बना रहा है। साथ ही इजरायली क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहा है।

इस बीच हूती विद्रोहियों ने कहा है कि उनका ग्रुप यमनी सरकार और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ शांति समझौते के लिए तैयार है। इसके लिए हूती के सर्वोच्च राजनीतिक परिषद के प्रमुख महदी अल-मशात ने कुछ शर्तें भी रखी हैं।

ईसा मसीह के शहर पर हमला... हिजबुल्लाह के अटैक से हिल गया इजरायल, पहली बार इतने अंदर तक मारे रॉकेट

तेल अवीवः इजरायली डिफेंस फोर्स (क्क्र) ने पुष्टि की है कि मौजूदा युद्ध शुरू होने के बाद हिजबुल्लाह ने इजरायल पर अपना सबसे खतरनाक हमला किया है। रविवार की सुबह के शुरूआती घंटे में जेजेरेल घाटी में 140 से ज्यादा रॉकेट और ड्रोन के चार राउंड दागे गए। हाइफा, रमत डेविड हवाई अड्डे, नाजरेथ, अफुला, निचली गलील और यिज्रेल घाटी के आसपास अलर्ट जारी हुआ। हमले के बाद क्क्रने कहा कि वे लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने 400 रॉकेट से पलटवार किया है। इजरायल ने ट्वीट कर कहा, 'ईसा मसीह के गृहनगर नाजरेथ पर हिजबुल्लहा ने हमला किया।'

मेडिकल सेंटर ने घोषणा की कि उत्तरी इजरायल में आग के कारण छह लोग घायल हो गए। इजरायली रेडियो और सरकारी मीडिया ने बताया कि हिजबुल्लाह ने युद्ध में पहली बार विशेष रूप से हाइफा के पास रामत डेविड बेस को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने भी कहा कि उसने कमांडर की मौत का बदला लेने के लिए इजरायली वायु सेना के हमलों के जवाब में रामत डेविड बेस और हवाई अड्डे पर हमला किया। आम तौर पर इजरायल के इतने अंदर तक हिजबुल्लाह हमला नहीं करता है।

'ईसा मसीह के गृहनगर पर हमला'

हिजबुल्लाह का एक रॉकेट नाजरेथ पर गिरा और शहर में कई जगहों पर आग लग गई। इजरायल ने कहा कि नाजरेथ ईसा मसीह का गृहनगर रहा है। इजरायल की पुलिस ने लोगों को रॉकेट के टुकड़ों और छर्रों से दूर रहने का आग्रह किया है, क्योंकि उसमें विस्फोटक सामग्री हो सकती है। हिजबुल्लहा से जुड़े लेबनानी आउटलेट अल हदथ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने हाइफा और ऊपरी गलील की ओर 100 रॉकेट दागे। हालांकि आईडीएफ का कहना है कि यह कम है।

हिजबुल्लाह के पास बड़ी संख्या में हथियारों का जखीरा है। हिजबुल्लाह हमला न कर सके इसके लिए इजरायल ने उसके 400 से ज्यादा रॉकेट लॉन्चर और कई हजार रॉकेट तबाह कर दिए।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

भारत के पड़ोसी देश में है 'खतरनाक' एयरपोर्ट, दुनिया के सिर्फ 50 पायलट के पास ही है यहां प्लेन उतारने की ट्रेनिंग

थिम्फूः भूटान का पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को पायलट के लिए दुनिया के सबसे खतरनाक हवाई अड्डों में गिना जाता है। इसकी वजह इस एयरपोर्ट कुख्यात हवाई पट्टी है, जिस पर कोई भी पायलट प्लेन नहीं उतार सकता है। इस एयरस्ट्रिप पर प्लेन उतारने के लिए अलग से ट्रेनिंग की जरूरत होती है। विशाल हिमालय की चोटियों और आवासीय क्षेत्रों के बीच बने पारो एयरपोर्ट पर प्लेन उतारने की ट्रेनिंग दुनिया के सिर्फ 50 पायलट के पास है। कैटेगरी सी के क्वालिफाइड पायलट ही पारो एयरपोर्ट पर विमान को उतारते हैं। इन पायलटों को एविएशन डेयरडेविल्स के तौर पर जाना जाता है।

इस एयरपोर्ट पर पायलटों को 18,000 फुट ऊंचे पहाड़ों के बीच नेविगेट करने की आवश्यकता होती है, जो इसे बेहद चुनौतीपूर्ण बनाता है। यही वजह है कि दुनिया में केवल 50 जेट जॉकी के एक चुनिंदा ग्रुप के पास पारो पर उतरने का का कौशल है। इसका रनवे 7,431 फुट लंबा है, जो बहुत कम है और केवल छोटे विमानों के पहुंचने के लिए ही योग्य है। एक पायलट को यहां विशेष प्रशिक्षण और रडार मार्गदर्शन के बिना उतरने की क्षमता की जरूरत होती है। एक छोटी सी गलती से ही विमान पास के घर से टकरा सकता है।

मौसम और कम जगह बनते हैं चुनौती

पारो एयरपोर्ट पर बात करते हुए ड्रुक एयर के कैप्टन चिमी दोरजी ने सीएनएन को बताया कि यहां वास्तव में स्थानीय कौशल और स्थानीय जानकारी बहुत जरूरी है। हम इसे पारो में कहीं से भी उड़ान भरने के लिए क्षेत्र या रूट ट्रेनिंग कहते हैं। हम इसे खतरनाक एयरपोर्ट नहीं मानते हैं। दोरजी कहते हैं कि हमारे देश में 97 फीसदी भूभाग पहाड़ी है। पारो एयरपोर्ट समुद्र तल से 7,382 फीट ऊपर है और यहां हवा की वजह स भी विमान की गति बढ़ जाती है।

चिमी दोरजी कहते हैं कि भले ही पायलट को सही लैंडिंग करने में एक बड़ी चुनौती यहां का पल-पल बदलता मौसम है। मौसम की वजह से हम अक्सर ही दोपहर के बाद उड़ान भरने से बचने की कोशिश करते हैं क्योंकि तब थर्मल हवाएं तेज होती हैं। इसके मुकाबले सुबह का मौसम शांत होता है। वहीं मानसून का मौसम अक्सर गोल्फ की गेंदों के आकार के ओले लाता है और नई चुनौतियां तैयार करता है। पायलट दोरजी का कहना है कि हमें चीन से आने वाली तेज उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हवाओं की वजह से लगातार बारिश होती है और इस क्षेत्र में रडार भी काम नहीं करता है इसलिए किसी भी समय रात की उड़ान की अनुमति नहीं है।